संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-195 शुक्रवार, 17 मई 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबर

कोवैक्सिन लगवाने वालों को हो रही ये गंभीर बीमारी

नई दिल्ली,16 मई 2024(ए)। एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड की कोविड-19 वैक्सीन कोविशील्ड के संभावित दुष्प्रभावों की रिपोर्ट के बीच कोवैक्सिन बनाने वाली भारत बायोटेक ने पिछले दिनों एक बयान जारी कर कहा था कि उसके वैक्सीन के सुरक्षा रिकॉर्ड शानदार रहे हैं। कंपनी ने कहा था कि उसकी वैक्सीन से खून के थक्के,प्लेटलेट की कमी जैसे दुष्प्रभाव सामने नहीं आए हैं लेकिन बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि कोवैक्सीन लेने वाले 30 फीसदी लोगों को कई गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। बीएचयू के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में भारत बायोटेक की कोवैक्सिन टीके के दीर्घकालिक प्रभावों की जांच में यह खुलासा हुआ है कि लगभग एक-तिहाई लोगों पर प्रभाव देखने को मिला है। स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि अध्ययन के लिए चुने गए 926 प्रतिभागियों में से लगभग एक-तिहाई लोगों में ऊपरी सांस की नली में वायरल संक्रमण सबसे आम शिकायत है। इसके अलावा लोगों में ब्लड क्लॉटिंग और एलर्जी के भी प्रभाव देखने को मिले हैं।

प्रख्यात कथाकार पद्मश्री मालती जोशी का हुआ निधन

नई दिल्ली,16 मई 2024(ए)। पद्मश्री से अलंकृत लोकप्रिय कथाकार मालती जोशी का गुरुवार को दिल्ली में निधन हो गया। वे 90 वर्ष की थीं। उनके अंतिम समय में उनके दोनों पुत्र ऋषिकेश और सच्चिदानंद जोशी (सदस्य सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र) तथा पुत्र वधू अर्चना और मालविका उनके पास थे। वे पिछले कुछ समय से आइसोफ़ेगस के कैंसर से पीड़ित थी।

ममता बनर्जी को बंगाल में जीत पर होने लगा है शक?

» इंडिया ब्लॉक को बाहर से समर्थन की क्यों कहने लगीं बात...

कोलकाता,16 मई 2024 (ए)। पश्चिम बंगाल में चार चरणों के चुनाव हो चुके हैं। लेकिन, इन चार चरणों में 42 सीटों में से सिर्फ 18 सीटों पर ही मतदान हुआ है। 24 सीटों पर चुनाव होना बाकी है, जो अगले तीन चरणों में होने वाला है। उससे पहले तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी का एक बयान सुर्खियों में है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने एक तरफ तो ये कहा है कि हम विपक्षी गठबंधन इंडिया की अगुवाई करेंगे। साथ ही यह भी कह दिया है कि गठबंधन की सरकार बनी तो उसे बाहर से समर्थन देंगे। सवाल है कि जब ममता की पार्टी टीएमसी प्रदेश में बड़ी जीत के दावे कर रही है तो उसने चुनावों से पहले अपनी ही गठबंधन सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कहना क्यों शुरू कर दिया है।

चुनाव में बहुत ही सतर्कता से आगे बढ़ रही हैं ममता

एक तरफ वह यह भी कह रही हैं कि दिल्ली में ऐसी सरकार बनवाएंगी जिससे बंगाल के लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो। लेकिन,खुद से ही उस सरकार का हिस्सा नहीं बनने का भी पहले से ही ऐलान कर रही हैं। राजनीति के जानकार मानते हैं कि ममता इस चुनाव में बहुत ही फूंक-फूंक कर कदम रख रही हैं।

एंटी-बीजेपी वोट बंटने को लेकर सावधान हैं ममता

उन्होंने पहले राज्य में कांग्रेस और लेफ्ट को खुद से दूर किया, क्योंकि किसी भी सूरत में एंटी-बीजेपी वोट को अपने पीछे जुटाए रखना चाहती हैं। इसी रणनीति को आगे बढ़ाते हुए वह मतदाताओं से साफ कह रही हैं कि सिर्फ बंगाल में लेफ्ट और कांग्रेस के चक्कर में न पड़ें। लेकिन,दिल्ली में वह इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व की बात भी कह रही हैं और उसे बाहर से समर्थन देने की बात भी कहती हैं। दरअसल,तृणमूल चीफ को मालूम है कि अगर बीजेपी-विरोधी वोट कांग्रेस और लेफ्ट के पक्ष में गए तो उनकी सियासी जमीन खिसक सकती है। क्योंकि उन्हें पता है कि बंगाल में प्रो-मोदी वोट टस से मस होने वाला नहीं है। इसलिए वह मोदी-विरोधी मतदाताओं को बार-बार आगाह करना चाहती हैं कि राज्य में भाजपा को रोकने का विकल्प सिर्फ टीएमसी ही हो सकती है।

कम मार्जिन वाली सीटें हैं चिंता की वजह

अभी जिन 18 सीटों पर चुनाव हुए हैं,उनमें लगभग आधे उत्तर बंगाल की हैं, जो भाजपा के गढ़ माने जाने लगे हैं। अब चुनाव कोलकाता और दक्षिण बंगाल की ओर शिफ्ट हो रहा है। बंगाल में 2019 में कुल 18 सीटों पर हार और जीत का अंतर मात्र 0.1त्न से लेकर 8.5त्न के बीच था। पिछली बार कांग्रेस जो दो सीटें जीती भी थी, वह यही कम मार्जिन वाली सीटें थीं। बाकी 16 में से 8-8 बीजेपी और टीएमसी को मिले थे। ममता को पूरा अंदाजा है कि भ्रष्टाचार, संदेशखाली और कानून-व्यवस्था के मसले पर बीजेपी बहुत ही ज्यादा आक्रामक है। ऐसे में अगर फ्लोटिंग वोटरों का कुछ फीसदी भी इधर से उधर हुआ तो बहुत ही आसानी से बाजी पलट सकती है। ममता इस रणनीति पर चुनाव के शुरुआत से काम कर रही हैं, जिसे अब और ज्यादा धारदार बनाने की कोशिश में हैं। इस वजह से उन्होंने राज्य में इंडिया ब्लॉक से अलग अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया और लेफ्ट और कांग्रेस पर बीजेपी के लिए काम करने का आरोप लगाती रही हैं।

कांग्रेस आलाकमान को ममता बनर्जी की इस रणनीति का पूरा अंदाजा है। लेकिन, वह किसी भी सूरत में उन्हें नाराज नहीं करना चाहती या यूं कहें कि उस स्थिति में है भी नहीं। इसलिए, चार चरण के चुनाव बीत गए, लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने वहां चुनावी रैली के लिए फटकने तक की कोशिश नहीं की। पार्टी ने सिर्फ एक तरह से नूरा कुश्ती के लिए अधीर रंजन चौधरी को छोड़ रखा है, जिन्हें शायद ही ममता कभी गंभीरता से लेती हैं।

आप पार्टी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के योगी को लेकर बड़ा बयान

भाजपा की सरकार बनते ही हटा दिए जाएंगे यूपी के सीएम

नई दिल्ली,16 मई 2024(ए)। आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार चुनाव में अमित शाह को पीएम बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं। मोदी अगले वर्ष 17 सितंबर को जैसे 75 वर्ष के हो जाएंगे, अमित शाह को पीएम बना देंगे। चुनाव जीतने के बाद दो से तीन महीने में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हटा देंगे। अमित शाह के पीएम बनने की राह में अब केवल योगी ही कांटा बचे हैं।

समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ प्रेस कांफ्रेंस में केजरीवाल ने कहा कि अमित शाह को पीएम बनाने के लिए मोदी पिछले डेढ़ से दो वर्ष से लगे हुए हैं। मोदी ने पहले ही शिवराज सिंह चौहान, वसुन्धरा राजे सिंधिया, देवेंद्र फडणवीस, रमन सिंह व मनोहर लाल खट्टर को हटा दिया है,अब योगी ही उनकी राह में आखरी कांटा बचे हैं।

केजरीवाल ने यह भी कहा कि योगी को हटाए जाने के मामले में भाजपा के किसी भी नेता ने पिछले चार दिनों में कोई भी जवाब नहीं दिया। इससे साफ है कि चुनाव बाद भाजपा योगी को मुख्यमंत्री पद से हटा देगी। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो संविधान खत्म कर एससी, एसटी व ओबीसी का आरक्षण समाप्त कर देगी। उन्होंने विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की।वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चार चरणों के चुनाव के बाद भाजपा चारों खाने चित हो गई है। 400 पार का नारा लगाने वालों को देश की 140 करोड़ जनता 140 सीटों के लिए भी तरसा देगी। उन्होंने कहा कि रोटी कपड़ा और मकान की लड़ाई तो हम लड़ेंगे ही इससे पहले हमें बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर का संविधान भी बचाना है। आप की राज्यसभा सदस्य व दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के बारे में जब केजरीवाल से पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उनके साथ आए आप के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि मणिपुर में करगिल सेनानी कि पत्नी को निर्वस्त्र किया गया,पीएम चुप रहे। पहलवान बेटियां जब जंतर मंतर पर धरने पर थी तब स्वाति भी धरने पर बैठी थीं,उस वक्त पुलिस ने मालीवाल को मारा पीटा और घसीट कर ले गई। उस समय भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी चुप रहे। स्वाति आम आदमी पार्टी परिवार की हैं भाजपा इस पर राजनीति न करे।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की गिरफ्तारी को लेकर बड़ी टिप्पणी की

अपराध का मामला विचाराधीन हो तो फिर ईडी बीच में किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकती

नई दिल्ली,16 मई 2024(ए)। यदि मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट के तहत दायर केस स्पेशल कोर्ट में विचाराधीन हो तो फिर ईडी बीच में किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यह अहम व्यवस्था दी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि किसी पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हों और वह शख्स अदालत में पेश हुआ हो तो फिर केस चलने के दौरान उसे अरेस्ट नहीं किया जा सकता। इस तरह शीर्ष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तारी को लेकर एक नियमावली तय कर दी। इसे आगे के केसों के लिए नजीर माना जा सकता है। अदालत ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि पीएमएलए के तहत सेक्शन 45 के तहत सख्त दोहरे टेस्ट में खुद को सही साबित किया जाए। मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट के सेक्शन 45 का कहना है कि इस ऐक्ट के तहत सरकारी वकील को अधिकार है कि वह आरोपी की बेल अर्जी का विरोध कर सके। इसके लिए उसे एक मौका मिलता है। इसके अलावा आरोपी को ही अदालत में यह साबित करना होता है कि यदि उसे बेल मिली तो वह कोई दूसरा ऐसा अपराध नहीं करेगा। इसके अलावा कोर्ट में खुद को बेगुनाह साबित करने की जिम्मेदारी भी आरोपी की होगी। इन शर्तों के चलते ही मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल गए लोगों के लिए बेल पर बाहर निकलना मुश्किल होता है। यही वजह है कि तमाम नेताओं और अन्य लोगों को ऐसे मामलों में जेल से बाहर निकलने में वक्त लगता है।

जवानों पर राहुल गांधी की टिप्पणी के खिलाफ ईडी पहुंची बीजेपी

» सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली,16 मई 2024(ए)। लोकसभा चुनाव के चार चरण सफलतापूर्वक बीत चुके हैं। अब तीन अन्य शेष रह गए हैं। पांचवां चरण 20 मई को है। इस बीच, राजनीतिक दलों में जारी आरोप-प्रत्यारोप के दौर में सियासी पारा भी चढ़ा हुआ है। खबर यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। बीजेपी ने कांग्रेस पर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन और राहुल गांधी पर भारतीय सेना का अनादर करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और अर्जुन मेघवाल, पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी और ओम पाठक सहित बीजेपी के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की।

जयशंकर ने प्रतिनिधिमंडल की चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा कि कुछ दिन पहले, राहुल गांधी ने कहा था कि नरेंद्र मोदी ने दो तरह के सैनिक बनाए हैं। यह झूठ है, यह हमारे सशस्त्र बलों पर सीधा हमला है, वे इसे विवाद का विषय बनाना चाहते हैं। यह चुनाव का मामला नहीं है, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। आगे मंत्री ने कहा कि सेना चीन के खिलाफ देश की सुरक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है। इसलिए हम इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं और हमारा चुनाव आयोग से अनुरोध है कि इस संबंध में बहुत सख्त कार्रवाई की जाए, भविष्य में ऐसा नहीं होना चाहिए।

एमपी-सीजी में लोकसभा के बाद उपचुनाव की हलचल

भोपाल,16 मई 2024 (ए)। एमपी में लोकसभा के लिए चार चरणों में मतदान हो चुका है और अभी नतीजे आने शेष हैं, मगर विधानसभा के उपचुनाव को लेकर सुगबुगाहट तेज हो चली है। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस के तीन विधायकों ने भाजपा का दामन थामा है, वहीं पांच विधायकों को लोकसभा चुनाव के मैदान में उतारा गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भी बीजेपी-कांग्रेस के 4 एमएलए लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।

पति को आखिरी बार नहीं देख सकी पत्नी...

» परिवार वालों का एयर इंडिया पर फूटा गुस्सा

» कार्यालय के बाहर शव रखकर किया प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम,16 मई 2024 (ए)। एयर इंडिया केबिन क्रू के अचानक हड़ताल पर जाने से केरल की एक महिला अपने पति को आखिरी बार नहीं देख सकी। गुरुवार सुबह तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर महिला के पति राजेश (39) का शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं इस घटना से गुस्साए परिवार वालों ने एयर इंडिया के कार्यालय पर शव रखकर प्रदर्शन किया। अमृता 8 मई को अपने बीमार पति एन. राजेश से मिलने के लिए यहां हवाई अड्डे पर पहुंची थीं। उनके पति दिल का दौरा पड़ने के बाद मस्कट के एक अस्पताल में भर्ती थे। एयर इंडिया एक्सप्रेस के केबिन क्रू की हड़ताल शुरू होने के बाद वह अपने पति से आखिरी बार नहीं मिल पाईं। मस्कट पहुंचने की कई कोशिशों के बावजूद वह जाने में असफल रहीं और सोमवार को राजेश का निधन हो गया। गुरुवार सुबह राजेश का शव उनके रिश्तेदारों को हवाई अड्डे पर सौंप दिया गया। गुस्साए परिवार वाले शव को सीधे तिरुवनंतपुरम में एयर इंडिया एसएटीएस के कार्यालय पर ले गए। शव को कार्यालय के सामने रखकर राजेश के परिवार वाले मौन होकर खड़े हो गए।

अमृता के चाचा ने नम आंखों से बताया कि अगर एयर इंडिया के अधिकारियों ने कोई व्यवस्था की होती, तो शायद उनकी पत्नी अपने पति के साथ होती और उनकी जान बच सकती थी। उनके पिता एयर इंडिया एसएटीएस के कार्यालय के अंदर बैठ गए और कहा कि किसी भी अधिकारी ने इस मामले में कुछ नहीं कहा है। उनके पिता ने कहा, मुझे बताया गया है कि एयर इंडिया की इस हड़ताल में कोई भूमिका नहीं है। मैं तब तक यहीं बैठा रहूंगा जब तक मेरी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता।

नरेश गोयल की पत्नी का कैंसर से निधन,मुंबई में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली,16 मई 2024(ए)। जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल की पत्नी अनीता गोयल का निधन हो गया। वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थी। इलाज के दौरान मुंबई में गुरुवार को तड़के 3 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद नरेश गोयल को बीते दिनों अपनी पत्नी से मुलाकात के लिए सशर्त जमानत दी गई थी। उन्होंने कोर्ट के सामने गुहार लगाई थी कि उनकी पत्नी कैंसर जैसी घातक बीमारी से पीड़ित हैं और पत्नी के साथ रहना चाहते हैं। गौरतलब है कि नरेश गोयल खुद भी कैंसर से जूझ रहे हैं।

5 दिन की बच्ची को धूप में रखने से मौत

» परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, डॉक्टर ने दी थी ये सलाह...

मैनपुरी,16 मई 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक हैरान करने वाली घटना वाली सामने आई है, जहां 5 दिन की एक बच्ची की धूप में रखने से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की सलाह पर बच्ची को धूप में रखा था। बच्ची की मौत के बाद डॉक्टर अस्पताल छोड़कर फरार हो गए। फिलहाल,सीएमओ के निर्देश पर प्राइवेट अस्पताल को सील कर दिया गया है। दरअसल पूरा मामला मैनपुरी के घिरोर थाना क्षेत्र का है। यहां के ग्राम भुगाई निवासी विमलेश कुमार की पत्नी रीता ने शहर के राधारमण रोड पर स्थित साईं अस्पताल में पांच दिन पूर्व ऑपरेशन से एक बच्ची को जन्म दिया था। बच्ची को थोड़ी दिक्कत थी तो अस्पताल के डॉक्टर ने बच्ची को आधा घंटा धूप में रखने की सलाह दी थी।

परिजनों की माने तो उन्होंने लगभग साढ़े ग्यारह बजे मासूम बच्ची को अस्पताल की छत पर धूप खाने के लिए रखा था। लेकिन धूप इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में बच्ची की हालत बिगड़ गई। 12 बजे के करीब परिजन उसे धूप से उठाकर नीचे ले आए। मगर इसके थोड़ी ही देर बाद बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत से गुस्साए परिजनों ने विरोध शुरू किया तो डॉक्टर अस्पताल छोड़कर भाग गया। आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने मृतक बच्ची की मां को भी बाहर निकल दिया। फिलहाल,पीड़ित परिजनों की शिकायत पर मैनपुरी के सीएमओ डॉ आरसी गुप्ता ने टीम भेजकर अस्पताल को सील कर पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, ये घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के बाद ही सामने आएगा कि मासूम की मौत का असल कारण क्या है।

केदारनाथ धाम में इस बार आस्था ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

» केदारनाथ धाम में बढ़े 69 प्रतिशत तीर्थयात्री

देहरादून,16 मई 2024 (ए)। चारधाम यात्रा को शुरू हुए अभी छह दिन ही हुए हैं लेकिन शुरू के दिनों में ही यात्रियों के हुजूम ने पिछले साल के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। केदारनाथ धाम में छह दिन में 1,55,584 श्रद्धालु पहुंचे। यह संख्या पिछले साल की तुलना में 69 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल पांच दिन में 91838 यात्री केदारनाथ पहुंचे थे।केदारनाथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में सबसे अधिक उत्साह है। यही कारण है बाबा के दर पर जाने वालों की संख्या सर्वाधिक है। आस्था की डगर उन्हें ऐसे खींच लाई है कि उनके सामने अव्यवस्था और जाम जैसी समस्याएं भी बौनी साबित हुई है। माना जा रहा है देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह इस बार भी चार धाम में रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। पिछले साल पूरी यात्रा में 19.61 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए थे। इस बीच चारों धामों में सिर्फ छह दिनों में 337732 यात्री दर्शन कर चुके हैं। जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 194342 था।

संपादकीय

हर समस्या का हल सैनिक अभियान नहीं

इस्राइल ने दक्षिणी गाजा के शहर राफा में सैनिक अभियान शुरू कर दिया है। सेना ने सोमवार रात को राफा में हवाई हमले किए जिनमें 23 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई।इस सैन्य कार्रवाई के बाद इस्राइल और फिलिस्तीन के बीच संभावित युद्ध-विराम के रास्ते बंद हो गए हैं। हैरानी की बात है कि इस्राइल के पैरोकार अमेरिका की अनिच्छा और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के विरोध के बावजूद इस्राइल गाजा को पूरी तरह तबाह करने पर आमादा है। विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर. इस्राइल और उसके प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को शांति की राह छोड़कर युद्ध के पथ पर चलने की ताकत और प्रेरणा कहां से मिल रही है।करीब आठ महीने से चल रहे इस युद्ध के बारे में कहा जा सकता है कि इस्राइल अब आत्मरक्षा के लिए नहीं, बल्कि घरेलू राजनीति में बढ़त बनाने के लिए यह युद्ध लड़ रहा है। हमास युद्ध विराम के लिए तैयार है, लेकिन इस्राइल ने यह कहते हुए इस प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया कि इससे उसकी मुख्य मांगें पूरी नहीं होतीं। गाजा पट्टी के शहर राफा में करीब 14 लाख फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं जो इस्राइल के ताजा सैन्य अभियान से डरे और सहमे हुए हैं। इनका जीवन संकटग्रस्त है।संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने चेतावनी दी है कि राफा में जमीनी कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने अपने कान बंद कर रखे हैं। इस्राइल के सैनिक अभियान से जाहिर होता है कि वह इसके जरिए अपने बंधकों को रिहा कराना और हमास के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना चाहता है। हालांकि सैन्य कार्रवाई के जरिए बंधकों की रिहाई आसान नहीं है।हकीकत यह है कि इससे बंधकों की जान को खतरा पहुंच सकता है। वास्तव में युद्ध-विराम और शांति समझौते के रास्तों पर आगे बढ़कर ही बंधकों की सुरक्षित रिहाई संभव है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि हर समस्या का हल सैनिक अभियान नहीं हो सकता। आक्रामक सैनिक अभियान से गाजा के मासूम नागरिक ही मारे जाएंगे। अब तक करीब 35 हजार नागरिक मारे गए हैं। इस्राइल को अपने गॉड फादर अमेरिका से सबक लेना चाहिए कि उसे आखिरकार,अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी क्यों करनी पड़ी। वियतनाम के साथ लड़ाई में उसे क्या हासिल हुआ। बंदूक की गोली से नहीं शांति वार्ता की मेज से ही समस्या का हल निकलेगा। यह सार्वभौमिक सत्य है, जिसे समझा जाना चाहिए।

बेमौसम बरसात और गिरते जल स्तर

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकृति ने ब्रम्हांड पर मुख्य रूप से चार ऋतुओं ग्रीष्म वर्षा शरद और बसंत की सृजन किया है। सभी ऋतुओं के लिए एक निश्चित समय का निर्धारण भी किया गया है,और उस निर्धारित समय मे उस ऋतु का आनंद कुछ और ही होता है। यदि गर्मी के समय में सर्दी का अतिक्रमण होता है तो हर एक व्यक्ति के मन में विचलन और अटपटा सा अहसास होता है।

यदि कोई ऋतु एक निर्धारित समय के अतिरिक्त अन्य समय पर अतिक्रमण करता है तो वातावरण का स्वरूप बदल जाता है,और पृथ्वी पर स्थित सभी जीव जन्तुओं का जीवन शैली जैविक और व्यवहारिक दोनों रूप से प्रभावित होता है।आम नागरिक के व्यवसाय जो ऋतु आधारित है, उनकी आय की दर में कटौती होती है।

चार ऋतुओं मे से सर्वाधिक अन्य ऋतुओं के समय पर अतिक्रमण वर्षा ऋतु का होता है। हम सबको विदित है कि वर्षा के अतिक्रमण से ऋतु गत व्यवसाय,आदमी के स्वास्थ्य और किसान के फसल पर प्रतिकूल असर पड़ती है।

वर्षा का अन्य ऋतुओं पर अतिक्रमण के कारणों पर हमें गौर करना चाहिए और यह स्थिति जो निर्मित हो रही है, उन बातों पर निश्चित ही हमे विश्लेषण करना चाहिए।

आज भले ही भोजन निर्माण हेतु सभी घरों मे गैस सिलेंडर विद्यमान है,और हमारे घर की माताएं आज इनका उपयोग बखूबी कर रही है।पर हम अपने स्वार्थ के लिए आज कई जैव और अजैव अपशिष्ट पदार्थों को जलाते हैं,जिससे बहुत सारे हानिकारक गैसें निकलती है जो हमारे पर्यावरण को प्रदूषित करता है।

हम औद्योगिकरण और नगरीकरण में खोते जा रहें हैं। निश्चित ही इससे हमारी आर्थिक स्थिति और जीवन गुणवत्ता में सुधार आया है,और समयानुसार आनी भी चाहिए।पर हम प्रकृति के साथ तो न खेलें, पेड़ पौधों को तो ना काटें,और यदि काटने की आवश्यकता पड़ती है तो उसके बदले हमें हर हाल में एक नया पौधा तैयार करना चाहिए।

आज हम सिंचाई हेतु जल की कमी को दूर करने के लिए नलकूप की व्यवस्था करते हैं,जिससे हमारे फसल की पैदावार में वृद्धि हुआ है ।और हम फसल के तौर पे ऐसे पौधों का रोपण करते हैं जिसमें अधिक जल की अधिक आवश्यकता होती है,फलस्वरूप जल का दोहन अनियंत्रित रूप से होता है,जिसके कारण भूमिगत जल स्तर गिरा है। हम चाहें तो कुछ ऐसे फसल जैसे दलहन तिलहन सब्जी उगा कर भूमिगत जल की अनियंत्रित दोहन को रोक सकते है।

गांव हो या शहर आज धरा मैं पूर्णतः कांकरेटी करण का जाल बिछा हुआ है। जिसके कारण वर्षा के जल का अधिकांश हिस्सा बह जाता है,फलस्वरूप वर्षा की जल का अवशोषण पृथ्वी सतह पर नहीं के बराबर होता है। यह भूमिगत जल स्तर गिरने का एक महत्वपूर्ण कारण है।

अतः आज स्वार्थ से परे प्रकृति के संदर्भ में सोचें और हम मन कर्म और वचन से पर्यावरण को संवारने के लिए संकल्प ले । यदि हम नहीं जागें तो हमें और हमारे नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

असंगठित क्षेत्र में आधी आबादी की बड़ी हिस्सेदारी

"असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है...काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला... यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती...यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं,इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती..."

असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति की बागड़ोर महिलाओं ने ही संभाल रखी है। देश की आर्थिक गतिविधियों के संचालन में असंगठित क्षेत्र की अपनी भूमिका है और इसमें कोई दो राय नहीं कि असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति को भले ही मेहनत का पूरा पैसा नहीं मिलता हो पर असंगठित क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार के अवसर है। बहुत बड़े वर्ग की रोजी रोटी असंगठित क्षेत्र पर ही टिकी हुई है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की अपनी समस्याएं हैं। इसमें रोजगार की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा,नियमित आय का ना होना, स्वास्थ्य सुरक्षा सहित बहुत सी समस्याओं से दो चार होना पड़ता है। हांलाकि सरकार असंगठित क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए समय समय पर योजनाएं लाती है और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराकर उनकी वास्तविक संख्या व आवश्यक जानकारी जुटाते हुए योजनाओं को अंतिम रुप दिया जाता रहा है। खैर बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबलें महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल की ही बात करे तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थी और कर रही है। भले ही व्हाईट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है।

भारत सरकार के ई-श्रम पोर्टल के आंकड़ों की ही भाषा में बात करें तो

केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में है तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक है। दरअसल देखा जाएं तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ साफ यह हुआ कि खेती किसानी से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानी में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है। गली कुचें में बनिये की दुकान, चाय-पानी की स्टॉल या इसी तरह की किसी दुकान में काम करने वाले, चौकटियों में कारीगारी-बेलदारी के काम की प्रतीक्षा करने वाले, खेतों में जुताई, कटाई व इसी तरह के काम करने वाले, छोटे दस्तकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, गली मोहल्ले में घूमने वाले वेण्डर्स और अस्थाई काम करने वाले लोग असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। डेली वेजेज के आधार पर काम करने वाले लोगों को भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल है।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती। इसके लिए रोजगार व आय की सुरक्षा व नियमितता की बात भी नहीं की जा सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की बात करना तो बेमानी होगी। मोटे रुप से रोजगार, सुरक्षा और स्वास्थ्य व आवश्यक सुविधाओं की सुलभता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दूर की कोड़ी ही मानी जा सकती है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर होने लगी है। पहली बात यह कि श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से सरकार के सामने वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, श्रम योगी मान धन योजना, अटल पेंशन योजना और इसी तरह की अन्य योजनाओं से जोड़कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के प्रयास किये गये हैं।अब देश दुनिया में श्रमिक आंदोलन का समय तो करीब-करीब समाप्त ही हो चुका है। ऐसे में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी व सामाजिक संगठनों को आगे आते हुए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बनना होगा। अब तो चूंकि असंगठित क्षेत्र में पुरुषों की अपेक्षा महिला श्रमिक अधिक है तो फिर और भी अधिक जिम्मेदारी हो जाती है। इसके साथ ही महिलाओं की समस्याओं को भी समझना होगा। सरकार को भी इस क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं के समधान के लिए फोकस करना ही होगा।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

कोरोना वैक्सीन पर राजनीति नहीं

संजय गोस्वामी
मुंबई,
महाराष्ट्र

कोरोना की कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका ने कोर्ट में माना है कि इस वैक्सीन से कुछ लोगों को दिल का दौरा और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा है। यह वही वैक्सीन है जिसका भारत में बड़े पैमाने पर सीरम इंस्टीट्यूट के जरिए उत्पादन किया गया था। एक निजी संस्थान द्वारा उत्पादित वैक्सीन को न केवल सरकार द्वारा प्रचारित किया गया, बल्कि इसे आईसीएमआर द्वारा प्रमाणित और सुरक्षित भी बताया गया। जबकि सभी जानते हैं कि वैक्सीन का ट्रायल बहुत जल्दबाजी में किया गया था। क्लिनिकल और अन्य परीक्षणों की लंबी और वर्षों-लंबी प्रक्रिया को कुछ महीनों और हफ्तों में यह कहकर संक्षेप में प्रस्तुत किया गया कि यह समय की आवश्यकता थी। प्रधानमंत्री ने स्वयं सीरम इंस्टीट्यूट का दौरा किया और इसके एमडी अदार पूनावाला के साथ देश को वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने का आश्वासन दिया। उन्होंने खुद भी टीका लगवाया और देशवासियों से भी टीका लगवाने की अपील की. इसके बाद कोवैक्सिन, कोरवेबेक्स जैसी कई अन्य वैक्सीन भी आई और लगाई गईं। सरकार ने इसे बड़े पैमाने पर खरीदा और जनता को मुफ्त में सप्लाई किया। पूरे देश में टीकाकरण शिविर आयोजित किये गये। वैक्सीन लेने के लिए लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ा। वैक्सीन प्रमाणपत्र वितरित किए गए और कई सरकारी सेवाओं के लिए यह प्रमाण-पत्र अनिवार्य कर दिया गया। यह प्रमाण-पत्र आज भी हम सभी के मोबाइल फोन या दराज में मौजूद है। ये सब हुए कई साल बीत गए. कोरोना की कभी-कभी छोटी लहर की चर्चा के अलावा कोई बड़ी लहर नहीं आई है। ऐसा लगता है कि वैक्सीन का असर हुआ है। कोरोना के नए-नए वेरिएंट आते हैं और बिना कोई खास असर दिखाए वापस चले जाते हैं। पुराने वेरिएंट को वैक्सीन से खत्म कर दिया गया है और इम्यूनिटी बढ़ने से नए वेरिएंट को अपनी ताकत दिखाने और बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा है। लेकिन दूसरी ओर, अचानक दिल का दौरा, हार्ट अरेस्ट और ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं। आए दिन हमें ऐसी खबरें और वीडियो पढ़ने, देखने और सुनने को मिलते हैं। न केवल भारत में, बल्कि ब्रिटेन सहित अन्य देशों में भी, जहां कोविशील्ड का आविष्कार किया गया था। स्ट्रेजेनेका कंपनी ने इसे सबसे पहले कहां बनाया था और किन देशों से लाइसेंस या सहयोग लेकर अन्य देश और उनकी वैक्सीन कंपनियां इसका उत्पादन कर रही हैं। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इनका सबसे बड़ा उत्पादक है और इसकी बनी वैक्सीन पूरी दुनिया में सप्लाई होती है।. लेकिन अब एस्ट्राजेनेका मुश्किल में है और उसकी परेशानी का साया सीरम इंस्टीट्यूट से लेकर भारत सरकार तक दिखाई दे रहा है। चूंकि इन दिनों भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं कोविशील्ड पर एस्ट्राजेनेका के कबूलनामे से विपक्ष को सरकार के खिलाफ नया हथियार मिल गया है। कोविशील्ड के बारे में खतरनाक तथ्य सामने आने से उन विपक्षी दलों को भी नई ताकत मिलेगी जिनके नेताओं ने शुरुआत में इस वैक्सीन का मजाक उड़ाया था और इसे बीजेपी की वैक्सीन बताकर इसे लगवाने से इनकार कर दिया था। हालाँकि बाद में जनता के दबाव में उन्होंने वैक्सीन लगवा ली, लेकिन कई आम लोगों की तरह वैक्सीन को लेकर उनका संदेह पूरी तरह ख़त्म नहीं हुआ था। इनमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख का नाम प्रमुख है। उनकी पार्टी इस चुनाव में भारत गठबंधन का हिस्सा है। जब से एस्ट्राजेनेका द्वारा अदालत में वैक्सीन की खामियों को स्वीकार करना मीडिया में उजागर हुआ है, जिस महिला की कथित तौर पर कोविशील्ड लेने के बाद मृत्यु हो गई, उसके माता-पिता ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के खिलाफ मामला दर्ज करने का फैसला किया है, जिसके एक दिन बाद भारत में वैक्सीन बेचने वाली एस्ट्राजेनेका ने अदालत में स्वीकार किया कि उनका कोविड शॉट एक दुर्लभ दुष्प्रभाव का कारण बन सकता है। . एस्ट्राजेनेका का कबूलनामा सामने आने के बाद अभिभावकों को न्याय की उम्मीद है. नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने एक सम्मेलन बैठक में कहा, सीरम इंस्टीट्यूट के कोविशील्ड के दुष्प्रभाव नगण्य से भी कम हैं। कोविड-19 एक घातक बीमारी है, और हम सभी को जीवन में बाद में अनावश्यक स्थितियों से बचने के लिए उचित सावधानी बरतनी चाहिए। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरोना और कोविशील्ड को लेकर चर्चाओं से भर गए हैं। ऐसा लगता है मानों सबको अपना गुस्सा निकालने का मौका मिल गया हो। कोई इसके लिए एस्ट्राजेनेका और अदार पूनावाला को जिम्मेदार ठहरा रहा है तो कोई इसे चुनावी बांड चंदे और विदेश में कॉरपोरेट जगत के लालच से जोड़ रहा है। कोरोना महामारी को लेकर अब भी लोगों में संदेह होने लगा है। आपको यह जानना चाहिए कि किसी भी दवा का मानव के ईलाज में प्रयोग करने से पहले क्लिनिकल परीक्षण किया जाता है वैक्सीन का साइड इफेक्ट क्लिनिकल परीक्षण में नगण्य है सबसे पहले किसी रसायन जो कि टीके या दवा के लिए प्रयोग किया जाना है का प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है। यदि प्रयोगशाला में सफलता मिल जाती है, तो इसके बाद इसका प्रयोग छोटे जानवरों (जैसे चूहा, बिल्ली, आदि) पर किया जाता है। यदि इन पर भी प्रयोग सफल होता है तो यही प्रयोग विभिन्न जाति के बंदरों पर किया जाता है। इस परीक्षण में इस दवा के दुष्परिणाम तथा दवा के विषैलेपन का भी परीक्षण किया जाता है। यदि यहां तक सफलता मिल जाती है तो उसके बाद दवा नियंत्रक तथा अन्य नियामक एजेंसियों से मानव पर उपरोक्त दवा के परीक्षण की इजाजत मांगी जाती है। इस इजाजतनामे में मानव परीक्षण की जरूरत किस प्रकार का परीक्षण किया जायेगा, कौन-कौन शोधार्थी इसमें शामिल होंगे और किन-किन अस्पतालों के माध्यम से यह शोध किया जायेगा, इस सब का विवरण देना होता है। साथ ही हर चरण के परीक्षण के बाद सम्पूर्ण विवरण नई दवा या टीके का परीक्षण करने वाली कम्पनी को उक्त एजेंसी को देना होता है।मानव परीक्षणों में हर दवा को तीन चरणों में गुजरना होता है।पहला चरण क्लीनिकल ट्रायल होता है, जिसमें दवा की सुरक्षा तथा शरीर में प्रतिरोधक क्षमता तथा अलग-अलग मात्रा में दवा की खुराक देकर दवा की खुराक (डोज) निर्धारित की जाती है। पहले चरण के परीक्षण में 10 से 20 तक स्वस्थ मानवों की आवश्यकता होती है, तथा इस पूरी प्रक्रिया में दो वर्ष का समय लगता है। दूसरे चरण में यही प्रक्रिया 300 से ऊपर स्वस्थ मानवों में दोहरा कर परीक्षण किया जाता है। इस प्रक्रिया में भी दो वर्ष से ऊपर का समय लगता है।तीसरे चरण में यह दवा उस बीमारी के हजारों रोगियों को दी जाती है, जिसे मर्ज के लिए यह दवा तैयार की गयी है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा

देश इन दिनों चुनावी माहौल में डूबा हुआ है। इस बीच कुछ आपराधिक संगठन या अराजक तत्वों द्वारा राजधानी दिल्ली और दिल्ली से सटे कई शहरों के करीब सौ स्कूलों में धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इसमें इन शैक्षणिक संस्थाओं को निशाना बनाते हुए बम से उड़ाने की धमकी दी गई। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की गहन जांच-पड़ताल में यह अफवाह साबित हुई हैं। इससे पहले दिसम्बर, 2023 में बेंगलुरु के करीब 44 स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। पुष्प विहार स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में फरवरी, 2024 में ईमेल बम की धमकी से हड़कंप मच गया था। पिछले साल मई में मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को धमकी भरा ईमेल मिला था। ईमेल बम और कॉल बम की घटनाएं आम होती जा रही हैं।साल 2016 के मार्च महीने में जेट एयरवेज की छह फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। अप्रैल, 2023 में डिफेंस कॉलोनी स्थित इंडियन स्कूल में हॉक्स कॉल मिली थी। आये दिन देश के किसी न किसी कोने से ऐसी घटनाएं अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। ऐसी ही कई घटनाएं हुई जिनमें अज्ञात लोगों द्वारा सरकारी तंत्र, स्कूल, कॉलेज को मेल बम, कॉल बम के जरिए धमकाने का काम किया गया। हालांकि ईमेल बम या कॉल बम की धमकी अधिकांशतः जांच-पड़ताल में फर्जी अफवाह फैलाने तक सीमित पाई गई।ईमेल बम और कॉल बम के अतिरिक्त कई अन्य माध्यमों से भी शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाया जाता है। शैक्षणिक संस्थाओं पर साइबर हमले किए जा रहे हैं। साइबर थ्रेट टार्गेटिंग द ग्लोबल एजुकेशन सेक्टर नामक रपट में दावा किया गया है कि भारतीय शैक्षणिक संस्थानों पर साइबर हमलों की आशंका सबसे ज्यादा है। हालांकि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश भी साइबर आक्रमण-प्रवण हैं। शैक्षणिक संस्थाओं पर साइबर हमले के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो पिछले महीने दक्षिण मुंबई स्थित एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल में ईमेल के जरिए साइबर धोखाधड़ी से 87.26 लाख ठगने का काम किया गया। हालिया दिनों में साइबर हमलों के मामले में शिक्षा संस्थान सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। एक अध्ययन के मुताबिक पिछले साल अप्रैल और जून के बीच शिक्षा क्षेत्र को सात लाख से अधिक साइबर हमलों का सामना करना पड़ा। साल 2022 के शुरु आती महीनों में वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक संस्थानों पर साइबर हमले अधिक हुए। पिछले साल कुल साइबर हमलों में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों को 58 फीसद निशाना बनाया गया।इनमें देश के विभिन्न ऑनलाइन शैक्षणिक संस्थान और प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान, तकनीकी शिक्षा निदेशालय भी शामिल थे।

-अजय प्रताप सिंह -

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाज के लोगों के लिए नासूर बनते बाल विवाह

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,
राजस्थान

हमारे देश में प्राचीन समय से कुछ ऐसी प्रथाएं चली आ रही है। जिसका लोगों के दैनिक जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जिनमें बाल विवाह भी एक हैं। किसी भी बच्चे की शादी उसके निश्चित आयु से पहले यानी बाल्यकाल में होना बाल विवाह कहलाता है। यह एक रूढ़िवादी प्रथा है। यह प्रथा बच्चों की सारे मनवा अधिकारों को खत्म कर देता है। जैसे-खेलकूद,मनोरंजन,शिक्षा आदि के अधिकारों को समाप्त कर उन्हें ऐसे बंधन में बांध दिया जाता है,जिसके बारे में उन्हें बिल्कुल भी ज्ञान नहीं होता है। प्राचीन सभी प्रथाओं में बाल विवाह सबसे बड़ा कुप्रथा है। क्योंकि कम उम्र में बच्चों की शादी कर देने से उनके स्वास्थ्य,शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ उनके खुशहाल जीवन पर असर पड़ता है। साथ ही वह अपने शिक्षा और खेलकूद के अधिकारों आदि से वंचित रह जाते हैं। इस कुप्रथा का शिकार ज्यादातर कम उम्र की लड़कियां होती है। बाल्यकाल में विवाह होने से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास नहीं हो पाता है।

विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है। देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। यह जीवन का एक कड़वा सच है कि आज भी छोटे-छोटे बच्चे इस प्रथा की भेंट चढ़े जा रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। आजकल कई लड़कियां खुद भी आगे आकर अपना बाल विवाह रुकवाने का प्रयास करने लगी है। भारत में यह प्रथा लम्बे समय से चली आ रही है जिसके तहत छोटे बच्चों का विवाह कर दिया जाता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि आज के पढ़े लिखे समाज में भी यह प्रथा अपना स्थान बनाए हुए है। जो बच्चे अभी खुद को भी अच्छे से नहीं समझते। जिन्हें जिन्दगी की कड़वी सच्चाईयों का कोई ज्ञान नहीं। जिनकी उम्र अभी पढने लिखने की होती है। उन्हे बाल विवाह के बंधन में बांधकर क्यों उनका जीवन बर्बाद कर दिया जाता है। देश में बाल विवाह के 50 प्रतिशत से अधिक मामले केवल 5 राज्यों से संबंधित हैं जिनमें उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। शेष चार राज्यों में बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश शामिल हैं। वर्तमान में भारत में बाल विवाह के लगभग 22 प्रतिशत मामले हैं जो कि लगातार कम हो रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में महिलाओं में साक्षरता और जागरुकता का बढ़ना, शिक्षा के प्रसार के कारण लड़कियों के प्रति अभिभावकों की सोच में परिवर्तन आना, शहरीकरण में वृद्धि तथा कठोर कानूनों की उपस्थिति को माना जा सकता है।

भारत में बाल विवाह में गिरावट आई है। लेकिन देश में पांच लड़कियों में से

एक और छह लड़कों में से एक की अभी भी बचपन में शादी कर दी जाती है। हाल के वर्षों में यह प्रथा कुछ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अधिक प्रचलित हो गई है। दिसंबर 2023 में द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार यह अनुमान लगाने वाले पहले अध्ययनों में से एक है कि राज्य व केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर समय के साथ लड़की और लड़के के बाल विवाह की दर में क बदलाव आया है। अध्ययन में पाया गया कि 1993 से 2021 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर बाल विवाह में गिरावट आई है। बालिका बाल विवाह का प्रचलन 1993 में 49 प्रतिशत से घटकर 2021 में 22 प्रतिशत हो गया। जबकि बालक बाल विवाह 2006 में 7 प्रतिशत से घटकर 2021 में 2 प्रतिशत हो गया। बाल विवाह के प्रचलन में सबसे बड़ी कमी 2006 और 2016 के बीच हुई। सबसे कम कमी 2016 से 2021 के बीच हुई। इन बाद के वर्षों के दौरान छह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में बालिका विवाह में वृद्धि देखी गई।

आंकड़ों से साफ है कि आजादी के 77 साल बाद भी इस देश में महिलाओं की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया है। हम अपनी बेटियों को बाल विवाह और कम उम्र की गर्भावस्था से नहीं बचा पाए हैं। यही कारण है कि इस देश में 50 फीसदी से ज्यादा महिलाएं और बच्चे एनीमिया (रक्ताल्पता) के शिकार हैं। यूनिसेफ द्वारा जारी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत के कई क्षेत्रों में अब भी बाल विवाह हो रहा है। इसमें कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत में बाल विवाह की दर में कमी आई है। लेकिन कई प्रदेशों में यह प्रथा अब भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह की यह कुप्रथा आदिवासी समुदायों सहित कुछ विशेष जातियों के बीच प्रचलित है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बालिका शिक्षा की दर में सुधार,किशोरियों के कल्याण के लिये सरकार द्वारा किये गए निवेश व कल्याणकारी कार्यक्रम और इस कुप्रथा के खिलाफ सार्वजनिक रूप से प्रभावी संदेश देने जैसे कदमों के चलते बाल विवाह की दर में कमी देखने को मिली है। यूनिसेफ के अनुसार अन्य सभी राज्यों में बाल विवाह की दर में गिरावट लाए जाने की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। किंतु कुछ जिलों में बाल विवाह का प्रचलन अब भी उच्च स्तर पर बना हुआ है।

यह रिपोर्ट हमारे सामाजिक जीवन के उस स्याह पहलू कि ओर इशारा करती हैं। जिसे अक्सर हम रीति-रिवाज व परम्परा के नाम पर अनदेखा करते हैं। देश में बाल विवाह के खिलाफ कानून बने हैं और समय-समय पर उसमें संशोधन कर उसे ओर प्रभावशाली बनाया गया हैं। फिर भी लगातार बाल विवाह हो रहे हैं। भारत में बाल विवाह पर रोक संबंधी कानून सर्वप्रथम सन् 1929 में पारित किया गया था। बाद में सन् 1949, 1978 और 2006 में इसमें संशोधन किये गए। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह कराने पर 2 साल की जेल व एक लाख रुपए का दंड निर्धारित किया है।

अगर सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। तो इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण है इसके प्रति सामाजिक जागरुकता की कमी। जब तक समाज में बल विवाह रोकने के प्रति जागरूकता नहीं आएगी तब तक यह कुरीति खत्म नही होने वाली है। बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है। सिर्फ कानून के भरोसे बाल विवाह जैसी कुप्रथा को नहीं रोका जा सकता है। देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से खत्म करना है तो इसके लिए समाज को ही आगे आना होगा तथा बालिकाओं के पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करना होगा। समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। अभिभावकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरुक करना होगा। सरकार को भी बाल विवाह की रोकथाम के लिये बने कानून का कड़ाई से पालन करवाना होगा। बाल विवाह प्रथा के खिलाफ समाज में जोरदार अभियान चलाना होगा। साथ ही सरकार को विभिन्न रोजगार के कार्यक्रम भी चलाने होंगे ताकि गरीब परिवार गरीब परिवारों की बच्चियां बाल विवाह का निशाना न बन पाएं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रसाद के रूप में नशीले पदार्थ खिलाकर 8.51 लाख रुपए ठगी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 मई 2024 (घटती-घटना)।

प्रसाद के रूप में नशीला पदार्थ खिलाकर शिक्षक से 8 लाख 51 हजार रुपये ठगी करने वाले 4 आरोपियों को सरगुजा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मामले का खुलासा करते हुए एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि जगसाय राजवाड़े मणिपुर थना क्षेत्र के बरढोढ़ी सरनापारा का रहने वाला है। वह शिक्षक है। नागपुर महाराष्ट्र के रहने वाला एक अज्ञात व्यक्ति से इसकी कुछ दिनों से मोबाइल पर बातचीत होती थी। 29 अप्रैल को वह व्यक्ति जगसाय के घर मिलने आया था और चाय पानी पीकर हर्बल प्रोडक्ट का काम होना बोलकर अंबिकापुर चला गया। अगले दिन पुनः उक्त व्यक्ति किसी एक अन्य व्यक्ति को अपने साथ लेकर जगसाय के घर आया जो नागपुर देवी दर्शन कर वापस लौटना बताया था,उक्त व्यक्तियों द्वारा प्रसाद के नाम पर नशीले पदार्थ खिला दिया। जिससे जगसाय बेहोश हो गया। कुछ देर बाद जब घर वाले वापस आए तो वह बेहोश पड़ा था। होश हाने पर वह देखा की अज्ञात दोनों व्यक्ति वहां नहीं थे। परिवार वालों ने घर में रखे सामान को मिलान किया तो पता चला की पेटी में रखे 8 लाख 51 हजार रुपए नहीं थे। वह मामले की रिपोर्ट 2 मई को मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पास पास संबंधित मार्ग में लगे कई सीसीटीवी फुटेज खंगाला। साइबर सेल ने घटना के दौरान स्विफ्ट कार का प्रयोग होना पुलिस को जानकारी दी। कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस टीम रायपुर पहुंचकर कार चालक शीत सोनवानी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। वह पुलिस को बताया कि अपने साथी सुखदेव साहू, गिरधारी साहू व आंसू झा उर्फ अभ्य के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की। कार चालक आरोपी शीत सोनवानी (21) निवासी भीमनगर रायपुर के निशानदेही पर पुलिस ने आरोपी सुकदेव साहू (35) ग्राम सिंघारी थाना बरमकेला जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़, गिरधारी साहू उर्फ राजा (32) ग्राम उर्ला थाना ऊरला जिला रायपुर छत्तीसगढ व अभय उर्फ अंशु झा (36) ग्राम मूरी बाहर थाना टिटलागढ़ उड़ीसा हाल मुकाम शंकरनगर जिला रायपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ धारा 120 बी, 420, 489 (क), 489 (ग), 489 (घ), 489 (ड़) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जाली नोट व तंत्र-मंत्र का सामान बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 95 हजार 105 रुपये नगद, घटना मे प्रयुक्त 11 नग मोबाइल सहित 500 का दोनों तरफ प्रिंट नोट 2100 नग कुल 10.50 लाख रुपये मूल्य का जाली नोट, 500 का एक तरफ प्रिंट जाली नोट 2500 नग कुल 12.50 लाख मूल्य का,नोट गिनने की मशीन 1 नग, कलर प्रिंटर 1 नग, स्कैनर 1 नग, सोने का नकली बिस्कुट सहित तंत्र-मंत्र का सामान बरामद किया गया है। पूछताछ करने पर आरोपियों ने पुलिस को बताया कि ये किसी भी अज्ञात व्यक्ति को फोन कर तंत्र-मंत्र की विधि से 8 लाख 51 हजार रुपये को 1 करोड़ रुपए में बदल देने का झांसा देकर ठगी की घटना को अंजाम देते हैं। घटना दिवस 30 अप्रैल को प्रार्थी जगसाय राजवाड़े के घर जाकर प्रार्थी को झांसे में लेकर प्रसाद के नाम पर नशीला पदार्थ खिलाकर 8 लाख 51 हजार रुपए ठगी करना बताया। घटना के समय 2 आरोपी पिड़ित के घर आए थे जिसमें 1 आरोपी कार मे बैठा था व एक अन्य आरोपी रायपुर में बैठकर घटना करने के बारे में अन्य आरोपी को बताते रहता था। घटना कारित करने के पश्चात सभी आरोपी मारुती स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 04 एनएक्स 8451 से रायपुर फरार हो गए थे।

बिछड़े तीन नाबालिग बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजन को सौंपा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 मई 2024 (घटती-घटना)।

परिवार से बिछड़े तीन नाबालिग बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर उनके परिजन को सौंप दिया गया है। बुधवार की शाम को शहर के दर्रीपारा में 3 नाबालिग बच्चों के अपने परिजनों से बिछडने की सूचना पुलिस को मिली थी। डिस्ट्रिक्ट पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा डायल 112 अम्बिकापुर शेर 2 वाहन में कार्यरत आरक्षक विजेंद्र कुमार सिंह एवं चालक बिन्देश्वर कुमार ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर नाबालिगों को सुरक्षित बरामद किया गया। इसके बाद बच्चों को थाना मणीपुर लाया गया। नाबालिगो के गुमने पर संवेदनशीलता के साथ थाना मणीपुर पुलिस स्टाप प्रधान आरक्षक महेश सिंह एवं डायल 112 की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चों से बात कर उनके परिजनों का पता तलाश किया गया। पुलिस टीम के सतत प्रयास से तीनों नाबालिग के परिजनों को अग्रसेन चौक से ढूंढ़कर सुपुर्द कर दिया गया है।

हादसे में कमी लाने अति दुर्घटना जन्य क्षेत्रों में लगाए जाएंगे सांकेतिक बोर्ड

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 मई 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं पीडब्लूडी के संयुक्त टीम ने बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के कुल 7 ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया। अति दुर्घटना जन्य क्षेत्र में बोर्ड लगाने व अन्य सडक़ सुरक्षा उपायों के लिए चर्चा की गई।

सरगुजा पुलिस,राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं पीडब्लूडी के संयुक्त तत्वाधान मे जिले मे सडक़ दुर्घटनाओ में कमी लाने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-43 स्थित सिलसिला, नवीन ढाबा झरगवा, कन्या हाई स्कूल बतौली, कुनकुरी घाट पुलिया,शांतिपारा हाई स्कूल,शांतिपारा पुलिया,सेदम हाई स्कूल पुलिया सहित अन्य दुर्घटना जन्य क्षेत्र के ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण कर सडक़ दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों एवं उनके निदान के सम्बन्ध में चर्चा कर सडक़ में तकनिकी सुधार किये जाने हेतु अग्रिम कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई। अति दुर्घटना जन्य क्षेत्रों में सम्बन्धी बोर्ड लगाने, ब्लैक स्पॉट जगहों पर डामरीकरण कराने, सडक़ों पर संकेतकों सहित वाहन स्पीड लिमिट बोर्ड लगाने सम्बन्धी स्थलों का चिन्हांकन किया गया एवं संयुक्त टीम द्वारा सडक़ों में आवश्यक सुधार कराने प्रस्ताव बनाकर संयुक्त कार्ययोजना तैयार किया गया। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर राजेंद्र मंडावी,थाना प्रभारी बतौली उप निरीक्षक सीपी तिवारी,यातायात प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त,राष्ट्रीय राजमार्ग से अभियंता नितेश तिवारी,पीडब्लूडी सब इंजीनियर नवीन सिन्हा,दिलीप सक्सेना, कैवर्त, सहित पीबीसीएल कम्पनी के इंजीनियर सहित अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 मई 2024 (घटती-घटना)।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में लुण्ड्रा पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किय है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। मामले में पुलिस ने आरोपी फ्रांसिस तिग्गा उम्र 27 वर्ष निवासी करेसर अमगाव थाना लुन्ड्रा को गिरफ्तारर किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल एवं सिम जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 67(बी) आईटी एक्ट, पोक्सो एक्ट की धारा 14 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में निरीक्षक भारत लाल साहू थाना लुन्ड्रा से सहायक उप निरीक्षक चंद्रप्रकाश केरकेट्टा, प्रधान आरक्षक नामूल राम आरक्षक अनिल बड़ा, निरंजन बड़ा, वीरेंद्र खलखो,अनिल मरावी शामिल रहे।

15 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार, महुआ लहान किया गया नष्ट

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 मई 2024 (घटती-घटना)।

आबकारी विभाग के उडऩदस्टा टीम ने 15 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शराब को बिक्री करने के लिए रखा था। आबकारी विभाग ने कार्रवाई कर आरोपी को जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार संभागीय आबकारी उडऩदस्ता टीम को मुखबिर से जानकारी मिली की गांीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम आमापतरा सरगांवा निवासी राकेश यादव अपने घर में भारी मात्रा में महुआ शराब बिक्री करने के लिए रखा है। मुखबिर की सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में उडऩदस्ता की टीम राकेश यादव के घर दबिश दी। टीम ने कुल 15 लीटर महुआ शराब जब्त किया है। इसके अलावा आरोपी के घर से 150 किलोग्राम महुआ लहान भी बरामद किया गया। जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। उडऩदस्ता टीम ने आरोपी राकेश यादव के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क, 34(2) एवं 59 (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

प्रेम विवाह कर रह रही युवती ने लगाई फांसी, पति से कहा था- आज काम करने मत जाइए

- संवाददाता -
बिश्रामपुर, 16 मई 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर मुख्य मार्केट में सेंट्रल बैंक के पीछे किराए के मकान में रह रही युवती ने गुरुवार की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती ने प्रेम विवाह किया था। सुबह उसने पति से कहा था कि वह काम पर न जाए। पति ने उससे कहा कि दुकानदार को बताकर आ जाता हूं। जब वह लौटा तो पत्नी फांसी पर लटकी हुई थी। उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आगे की प्रक्रिया पूरी की।

इस संबंध में बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि मध्यप्रदेश के शहडोल अंतर्गत धनपुरी निवासी सायना अंसारी पिता शफीक अंसारी 23 वर्ष ने मनेंद्रगढ़ के मुसरा निवासी भगवान सिंह से प्रेम विवाह किया था।

करीब डेढ़ वर्ष से पति-पत्नी के रूप में दोनों शिवनंदनपुर में किराए के मकान में रह रहे थे। गुरुवार की सुबह जब उसका पति दुकान जा रहा था तो सायना ने उससे कहा कि वह आज छुट्टी ले ले। इस पर पति ने कहा कि दुकानदार को बताकर आता हूं। दुकान से जब उसका पति वापस लौटा तो देखा कि सायना घर की कंडी में दुपट्टे के सहारे फांसी लगा आत्महत्या कर चुकी थी।

पुलिस ने फंदे से उतरवाया शव

पति की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा के बाद शव को पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। इस दौरान पुलिस ने उसके परिजन को घटना की सूचना देकर बुलाया। परिजन के आने तक शव को अस्पताल के मर्च्युरी में रखवा दिया गया है। युवती ने किन कारणों से खुदकुशी की है इसका पता फिलहाल नहीं चल सका है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर किया गया रैली का आयोजन

» बैठक, स्वास्थ्य, शिक्षा, सोर्स रिडक्शन गतिविधि, नारा लेखन के द्वारा डेंगू से बचाव के संबन्ध में लोगों को किया गया जागरूक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 16 मई 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार राष्टीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर डेंगू से बचाव व नियंत्रण हेतु जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन "समुदाय के सहभागिता से डेंगू नियंत्रण करें की थीम पर हुआ। इस अवसर पर जिले में जन जागरूकता रैली, बैठक, स्वास्थ्य, शिक्षा, सोर्स रिडक्शन गतिविधि, नारा लेखन एवं विभिन्न प्रचार-प्रसार के माध्यम से जनसामान्य को जागरूक किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ राजेश गुप्ता ने बताया कि डेंगू बीमारी वायरस से होने वाली बीमारी है जो कि मादा एडिस एजिप्टी मच्छर के द्वारा फैलता है। यह मच्छर दिन के समय काटते हैं तथा रूके हुये साफ पानी में अण्डे देती है, इससे बचाव हेतु अपने घर के आस-पास गड्ढे, कूलर, गमले, नारियल के खोल, फ्रिज ट्रे, टायर, अनुपयोगी बर्तन में पानी जमा ना होने दें। निस्तारी योग्य पानी में लार्वासाइड का उपयोग करें, कूलर का पानी सप्ताह में एक बार खाली कर सुखाकर दुबारा उपयोग करें एवं मच्छरदानी का उपयोग करें। डेंगू के लक्षण के सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि इसमें बुखार, उल्टी, जी मिचलाना, शरीर में लाल चक्ते, जोडों में दर्द, आँख घुमाने पर आँखों के पीछे दर्द होता है। उन्होंने बताया कि इसके प्रारंभिक जांच के लिये जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आर.डी.टेस्ट किट द्वारा निःशुल्क जांच किया जाता है तथा डेंगू प्रकरण की पुष्टि हेतु राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर में एलाईजा जांच की सुविधा उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हुआ हमला राजनीतिक नहीं; आंतरिक मंत्री ने किया ये दावा

ब्राटीस्लावा,16 मई 2024। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर बुधवार को हुए हमले को लेकर वहां के आंतरिक मामलों के मंत्री मेटस सुटेज ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पीएम फिको की हत्या की कोशिश ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने बुधवार को दावा किया था कि हमले की शुरुआती जांच में फीको पर हमले के पीछे पाया गया कि यह राजनीति से प्रेरित था। हालांकि, गुरुवार को वे अपने पूर्व बयान से पलट गए। गुरुवार को उन्होंने कहा कि जिस संदिग्ध पर हमले का आरोप लगाया गया है, उसका किसी भी राजनीतिक समूह से संबंध नहीं है। उसने अकेले ही इस हमले को अंजाम दिया है। हालांकि उन्होंने हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की।

इसके साथ ही प्रधान मंत्री रॉबर्ट फिको पर हमला करने वाले संदिग्ध पर पूर्व-निर्धारित हत्या का आरोप लगाया गया है। आंतरिक मामलों के मंत्री ने कहा कि इस हमले का वो अकेला मास्टरमाइंड है। बीते महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव को लेकर उसने हाल ही में सरकार विरोधी भावना व्यक्त की थी।

इससे पहले, अस्पताल के एक अधिकारी ने फिको की हालत की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि गुरुवार को उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर थी। बता दें कि बुधवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्राटीस्लावा के हैंडलोवा शहर में उन पर कई गोलियां बरसाईं गईं। उन पर हमला तब किया गया जब एक सरकारी मीटिंग के बाद फिको अपने समर्थकों से मिल रहे थे। इसी दौरान हमलावर ने रॉबर्ट फिको को करीब से

पांच गोलियां मार दी। वहीं प्रधानमंत्री के सुरक्षाकर्मियों ने मौके से ही आरोपी हमलावर को पकड़ लिया, जिसकी पहचान जुराज सिनटुला (71 वर्षीय) के रूप में हुई है। आरोपी एक कवि है और बताया जा रहा है कि वह, रॉबर्ट फिको की नीतियों से नाराज था और इसी के चलते उसने फिको पर हमला किया। लोकलुभावन नेता को जान से मारने की इस कोशिश ने छोटे से देश को हिलाकर रख दिया है। यूरोपीय चुनावों से कुछ हफ्ते पहले पूरे महाद्वीप में इसकी गूंज सुनाई दी है।कई लोगों ने इस हमले के लिए आंशिक रूप से अत्यधिक राजनीतिक ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहराया है जिसने देश को विभाजित कर दिया है।

कौन हैं रॉबर्ट फिको

रॉबर्ट फिको का जन्म साल 1964 में हुआ और उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत स्लोवाकिया की आजादी के बाद कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य के तौर पर की। रॉबर्ट फिको के पास कानूनी की डिग्री है और उन्हें वकालत का लंबा अनुभव है। स्लोवाकिया की राजनीति में रॉबर्ट फिको एक बड़ा नाम हैं। रॉबर्ट फिको ने साल 1992 में स्लोवाकिया की संसद का चुनाव लड़ा और साल 1999 में वह स्मेर (डायरेक्शन) पार्टी के अध्यक्ष बन गए थे। रॉबर्ट फिको का झुकाव वामपंथी विचारधारा की तरफ है और उन्हें रूस समर्थक नेता माना जाता है। बीते साल ही रॉबर्ट फिको स्लोवाकिया के पीएम चुने गए और यह उनका बतौर पीएम चौथा कार्यकाल है। रॉबर्ट फिको ने यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका और नाटो देशों के रुख की आलोचना भी की थी, जिसके चलते उन्हें आलोचना भी झेलनी पड़ी थी।

इमरान खान की पार्टी को 9 मई की हिंसा के लिए माफी मांगनी होगी,बिलावल भुट्टो की चेतावनी

इस्लामाबाद,16 मई 2024। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने चेतावनी दी है कि इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ ने अगर बीते साल 9 मई को हुए दंगे के मामले में माफी नहीं मांगी तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पीटीआई गंभीर राजनीतिक पार्टी नहीं है।

बिलावल का आरोप- हिंसा में शहीदों के स्मारकों को पहुंचाया गया नुकसान

बुधवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में बोलते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा कि किसी को भी आतंकी घटनाएं अंजाम देने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। विपक्षी नेताओं ने बीते साल 9 मई को उन शहीदों के स्मारकों का अपमान किया, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान दी। गौरतलब है कि बीते साल 9 मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में पाकिस्तान में हिंसा हुई थी। इस हिंसा के दौरान पीटीआई समर्थकों ने सेना के कई शीर्ष अधिकारियों के घरों के साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को भी भारी नुकसान पहुंचाया था। हालांकि इमरान खान और उनकी पार्टी ने हिंसा के आरोपों को नकार दिया है।

पीटीआई का लोकतंत्र, संविधान में कोई विश्वास नहीं

बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पीटीआई गंभीर पार्टी नहीं है और उनमें देश की राजनीति करने की कोई इच्छा नहीं है, उनके नेता जेल में रो रहे हैं। पीपीपी नेता ने कहा वे (पीटीआई) अपने निजी हित साधना चाहते हैं। मैं उनके गैर-गंभीर रवैये की आलोचना करता हूं। एक तरफ वे दावा करते हैं कि वह पाकिस्तान के संविधान की सर्वोच्चता की लड़ाई लड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ वे सिर्फ सैन्य प्रतिष्ठान से बातचीत करने की बात कर रहे हैं। पीपीपी नेता ने कहा पीटीआई और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के नेताओं का लोकतंत्र,संविधान,कानून में कोई विश्वास नहीं है। बिलावल भुट्टो ने पाकिस्तानी नेताओं से पाकिस्तान के आगामी बजट को लेकर सुझाव देने की भी अपील की। उन्होंने अपील की कि सरकार देश के आयात विवाद को सुलझाने के लिए भी कड़े कदम उठाए और इस मामले में दोषी लोगों की जवाबदेही तय की जाए।

फ्रांस शासित न्यू कैलेडोनिया में नए विधेयक को लेकर हिंसा...चार की मौत,12 दिनों के लिए आपातकाल लागू

पेरिस,16 मई 2024। फ्रांस की राजधानी पेरिस में सांसदों द्वारा नए विधेयक पर सहमति बनाने के बाद देश से हजारों किलोमीटर दूर न्यू कैलेडोनिया में दंगे भड़क गए। दरअसल, न्यू कैडेलोनिया, ऑस्ट्रेलिया के पास एक क्षेत्र है, जिस पर फ्रांस का शासन है। पेरिस में पास हे नए विधेयक के अनुसार,10 वर्षो से न्यू कैलेडोनिया में रहने वाले फ्रांसीसी निवासियों को प्रांतीय चुनावों में मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। इस फैसले से कुछ स्थानीय नेताओं को डर है कि इससे वहां के मूल निवासियों (कनक) के वोट की अहमियत कम हो जाएगी। इस विधेयक को लेकर पिछले तीन दिनों से न्यू कैलेडोनिया में हिंसा जारी है। इस दौरान शीर्ष फ्रांसीसी अधिकारी ने गुरुवार सुबह कहा कि सशस्त्र बलों को न्यू कैलेडोनिया के दो हवाई अड्डों और बंदरगाहों की रक्षा करने के लिए तैनात किया गया है।

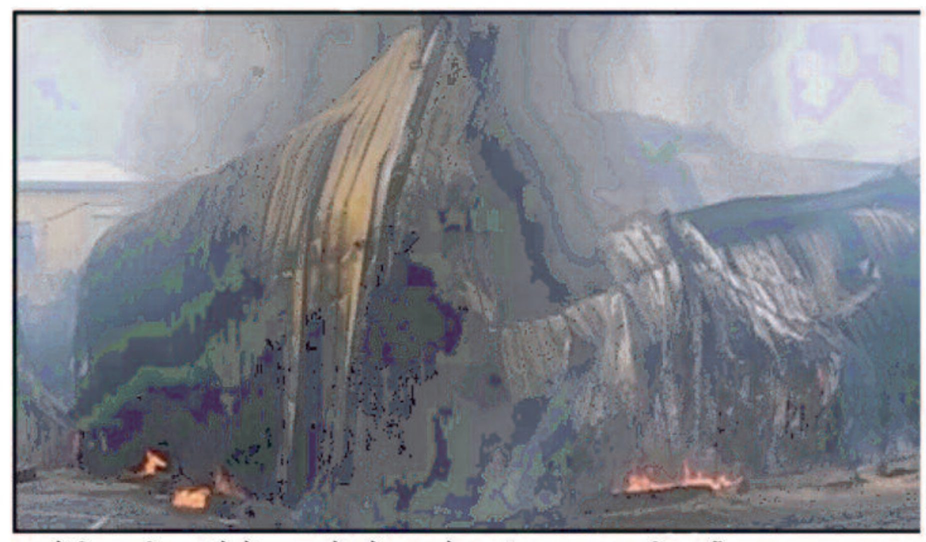

बता दें कि इस हिंसक दंगों में चार लोगों की मौत हो गई। इस हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए फ्रांस ने आपातकाल की घोषणा की।

फ्रांस के उच्चायुक्त लुई ले फ्रैंक ने कहा कि तीन नगर पालिकाओं में जेंडरमेस को पांच हजार प्रदर्शनकारियों का सामना करना पड़ा, जिसमें से तीन से चार हजार राजधानी नौमिया से थे। उन्होंने आगे कहा, ÷दो सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। 64 जेंडरमेस और कई पुलिसकर्मी घायल हुए।

फ्रांस में आपातकाल की घोषणा

फ्रांस ने न्यू कैलेडोनिया में आपातकाल की घोषणा की। प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों में आग लगा दी। इसके साथ ही उन्होंने कई दुकानों में भी लूटपाट की। मौजूदा स्थिति पर बात करते हुए नौमिया के निवासी योन फ्लूरोट ने बताया कि उन्होंने लूटपाट होते हुए देखा। कुछ दुकान के मालिक अपनी मर्जी से छापेमारी की इजाजत दे रहे हैं। वे दुकान को नुकसान न पहुंचाने का अनुरोध करते हैं। इस हिंसा में तीन युवा कनक की मौत हो गई। वहीं गोली लगने से एक 24 वर्षीय पुलिसकर्मी की भी जान चली गई। क्षेत्र में आपातकाल की स्थिति अगले 12 दिनों तक रहेगी। प्रशासन ने टिक-टॉक वीडियो एप पर भी प्रतिबंध लगाया है।

बता दें कि फ्रांस ने 1853 में खनिज समृद्ध न्यू कैलेडोनिया को अपने कब्जे में ले लिया था। वहां के निवासियों को 1957 में फ्रांस की नागरिकता दी गई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां के कनक और यूरोपीय लोगों के बीच लंबे समय से ही तनाव जारी है।

भारत चांद पर पहुंच गया,हमारे बच्चे गटर में गिरकर मर रहे,पाकिस्तानी सांसद ने दिल खोलकर की तारीफ

इस्लामाबाद,16 मई 2024। पाकिस्तान के एक सांसद सैयद मुस्तफा कमाल ने भारत की दिल खोलकर तारीफ की है। पाकिस्तानी सांसद ने कहा कि एक तरफ खुले गटर कराची में बच्चों की जान ले रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भारत चांद पर पहुंच गया है। पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के सांसद सैयद मुस्तफा कमाल ने वहां की संसद में अपने संबोधन में देश की सरकारों को आईना दिखाया।

पाकिस्तानी सांसद ने भारत की जमकर तारीफ की

पाकिस्तानी सांसद ने कहा कि आज जब दुनिया चांद की तरफ जा रही है, हमारे बच्चे अभी भी कराची में गटर में गिरकर मर रहे हैं। हमारे टीवी स्क्रीन पर जब हम खबरें देखते हैं कि भारत चांद पर पहुंच गया और उसके दो सेकेंड बाद ही खबर आती है कि कराची में खुले गटर में गिरकर बच्चे की मौत हो गई। एमक्यूएम नेता ने कराची में ताजा पानी की कमी का जिक्र करते हुए कहा कराची पाकिस्तान में राजस्व का इंजन है। देश में दो बंदरगाह हैं और दोनों कराची में हैं। एक तरह से यह देश का गेटवे है। 15 वर्षों से कराची को ताजा पानी नहीं मिला है, जब भी पानी आता है तो तो उसे टैंकर माफिया कब्जा लेते हैं।

रूस और चीन के संबंध और गहरे होंगे,शी जिनपिंग और पुतिन ने किए समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली,16 मई 2024। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन और रूस के बीच के संबंधों को गहरा करने के लिए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। साथ ही दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के बारे में बताया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिन की यात्रा पर चीन गए थे। जहां पुतिन के लिए चीन के राष्ट्रपति ने रेड कार्पेट बिछाया। इससे दोनों देशों के बीच के रिश्ते गहराते दिख रहे हैं। ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल के बाहर सैन्य बैंड सेरेनेड और कई बंदूकों से सलामी भी दी। वहीं चीने के विदेश मंत्रालय के अनुसार शी जिनपिंग ने कहा कि चीन- रूस संबंध बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल की कसौटी पर खरे उतरे हैं। चीन-रूस एक दूसरे

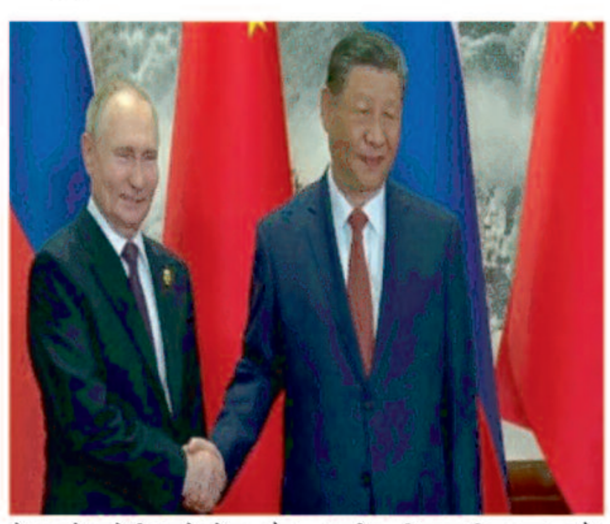

के अच्छे पड़ोसी,अच्छे दोस्त और भरोसेमंद रहना चाहते हैं।

शी जिनपिंग ने कहा कि दोनों ही देशों के बीच मित्रता मजबूत करने और संयुक्त रूप से संबंधित राष्ट्रीय विकास,निष्पक्षता और न्याय को बनाए रखने के लिए साथ आना चाहते हैं।

पुतिन की बीजिंग यात्रा उनके नए कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा है। वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की को आगामी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम से निलंबित करने के फैसले पर सहमति दी।

बता दें कि पुतिन और शी जिनपिंग चौथी बार बैठक कररहे हैं। इस बैठक में यूक्रेन में संघर्ष को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंता और संकट के समाधान के राजनयिक प्रयासों की आवश्यकता पर चर्चा की। यह यात्रा चीन पर बढ़ते दबाव के दौरान हुई है। वहीं अमेरिका ने चीन पर रूस के रक्षा परिसर को सहायता देने का आरोप लगाया। हालांकि चीन ने इस दावे को निराधार बताया। साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों महत्व के बारे में बात की।

इस बैठक में पुतिन और शी जिनपिंग ने व्यापार, सुरक्षा, उद्योग, प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

नियमों का उल्लंघन किया तो होगी कानूनी कार्रवाई,चीन ने फिलीपींस को जारी की चेतावनी

नई दिल्ली,16 मई 2024। फिलीपींस के कार्यकर्ताओं ने दक्षिण चीन सागर में एक विवादित चीन की ओर यात्रा शुरू कर दी। जिस कारण से चीन ने पश्चिम फिलीपींस सागर में मिशन की अनुमति देने के लिए चेतावनी जारी की है। कई सारी मछलियों को पकड़ने वाली नावों का एक बेड़ा फिलीपींस से स्कारबोरो शोल के लिए निकला है। स्कारबोरो शोल फिलीपींस के मुख्य द्वीप लूजॉन से लगभग 240 किमी पश्चिम में स्थित हैं। इस क्षेत्र पर चीन ने 2012 में जब्त कर लिया था। जबकि यह क्षेत्र फिलीपींस के अंदर है। बता दें कि कुछ समय पहले हुई एक घटना में स्कारबोलो शोल के पास चीनी तट रक्षक जहाजों से पानी की बौछार से फिलीपींस तट रक्षक जहाज को निशाना बनाया था। इससे फिलीपींस जहाज क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके अलावा एक अन्य विवादित क्षेत्र में स्कारबोरो शोल और सेकेंड थॉमस शोल के पास दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया। क्योंकि फिलीपींस के एक युद्धपोत को जानबूझकर खड़ा किया गया था। चीन फिलीपींस,ताइवान और वियतनाम जैसे पड़ोसी देशों के प्रतिद्वंदी दावों को दरकिनार कर दक्षिण चीन सागर के हिस्से पर हक का दावा करता है।

वहीं चीन ने फिलीपींस को चेतावनी जारी की है, जिसमें पश्चिम फिलीपींस सागर में फिलीपीन मछुआरों को दी गई अनुमति का गलत इस्तेमाल न करें। बीजिंग के विदेश मंत्रालय के वांग वेनबिन ने कहा कि चीन की किसी भी प्रकार के उल्लंघन का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलीपींस मछुआरों को हुआंगयान दाओ के पास मछली तक पकड़ने की अनुमति दी। लेकिन उस क्षेत्र में जहां चीन उनकी गतिविधि की निगरानी करे। उन्होंने कहा कि अगर इन नियमों का उल्लंघन हुआ तो चीन भी कानूनन कदम उठाएगा। वांग ने यह भी कहा कि फिलीपीन के इन हरकतों का परिणाम पूरा देश भुगतेगा।

चीन ने चेतावनी भी दी कि अगर फिलीपींस चीन की मदद का दुरुपयोग करेगा तो चीन अपने अधिकारों की कर रक्षा करेंगे।

रूस कर रहा यूक्रेन के राष्ट्रपति का दुष्प्रचार,अमेरिका खुफिया एजेंसी का दावा

नई दिल्ली,16 मई 2024। अमेरिका खुफिया एजेंसी ने बताया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के खिलाफ दुष्प्रचार शुरू कर दिया है। उन्होंने उनकी वैधता पर भी सवाल उठाए हैं। मॉस्को ने युद्ध शुरू होने से पहले ही जेलेंस्की दुष्प्रचार शुरू कर दिया था।

रूस और यूक्रेन के बीच कई महीनों से संघर्ष चल रहा है। लेकिन युद्ध शुरू होने से पहले ही रूस ने यूक्रेन के खिलाफ गलतबयानी करनी शुरू की थी। उत्तर पूर्वी यूक्रेन में रूसी हमलों के बढ़ने के खिलाफ यूक्रेन सेना के संघर्ष के बाद से यूक्रेन के राष्ट्रपति का दुष्प्रचार बढ़ा है।

एक अधिकारी ने कहा कि मैं वास्तव में इस दुष्प्रचार के प्रयास को इस संघर्ष में अपने देश के स्थिर और समर्पित राष्ट्रपति जेलेंस्की से जोड़ूंगा। अमेरिकी खुफिया ने यूक्रेन के पूर्वी शहर अवदीवका से

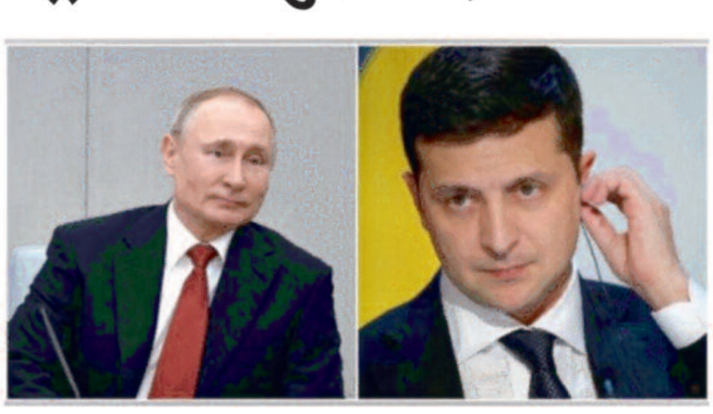

वापसी का संकेत दिया। वहीं यूक्रेन ने युद्ध के कारण इस वसंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को स्थगित कर दिया।

वहीं रूसी लोग चुनाव के विलंबित होने पर तर्क देते हुए कहते हैं कि यूक्रेन के जेलेंस्की की वैधता पर सवाल उठाएंगे। रूस को यूक्रेन के अवदीवका पर कब्जा करने के लिए सैनिकों को काफी नुकसान हुआ था।

वहीं जेलेंस्की ने कहा कि घिरे होने से बचने और अपने सैनिकों की जान बचाने के लिए यूक्रेन वापसी का आदेश दिया था। जैसे ही फरवरी 2022 में रूस ने आक्रमण किया, यूक्रेन नेता ने मार्शल लॉ लगा दिया, वहीं यूक्रेन की संसद ने भी इसे मंजूरी दे दी। इसे नियमित बढ़ाया गया, साथ ही इस वर्ष के राष्ट्रपति चुनाव भी स्थगित किए गए। उन्होंने रूस के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया।

बालिका कों बंधक बनाकर जबरन दुष्कर्म करने के मामले मे आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 मई 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत नाबालिग सम्बन्धी मामलो मे आरोपियों की लगातार धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थी द्वारा दिनांक 14/05/24 कों थाना दरिमा आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 10/04/24 कों ग्राम लोधिमा दरिमा निवासी सुनील कुजूर प्रार्थी के नाबालिग पुत्री कों बहला फुसला कर भगा कर अपने घर लोधिमा ले गया हैं, और जब प्रार्थी अपनी नाबालिग पुत्री कों लेने गया तो आरोपी द्वारा प्रार्थी कों उसकी नाबालिग पुत्री से नही मिलने दिया गया, जो आरोपी सुनील कुजूर द्वारा प्रार्थी के नाबालिग पुत्री कों बहला फुसला कर भगा ले जाकर

» **थाना दरिमा पुलिस टीम द्वारा मामले मे त्वरित कार्यवाही कर चंद घंटे के भीतर नाबालिग कों बरामद कर परिजनों कों किया गया सुपुर्द...**

» **नाबालिग बालिकाओं सम्बन्धी अपराधों मे आरोपियों के विरुद्ध लगातार की जा रही सख्त वैधानिक कार्यवाही...**

बंधक बना कर रखा गया हैं, किसी से मिलने नही दिया जा रहा हैं, मामले मे प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना दरिमा मे अपराध क्रमांक 68/24 धारा 363, 366, 376 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा नाबालिग बालिका का पता तलाश कर मामले के आरोपी सुनील कुजूर की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम सुनील कुजूर उम्र 19 वर्ष साकिन लोधिमा मणिपुर थाना दरिमा का होना बताया, आरोपी से नाबालिग बालिका के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर नाबालिग बालिका कों अपने घर से बरामद कराया गया अग्रिम पूछताछ मे आरोपी सुनील कुजूर द्वारा नाबालिग बालिका के साथ जबरन दुष्कर्म करने की घटना कारित करना स्वीकार किया गया, मामले मे जबरन दुष्कर्म की घटना होना पाये जाने पर मामले मे धारा 376 भा.द.वि. एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 4 जोड़कर आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी दरिमा उप निरीक्षक सेतराम गहीर, महिला आरक्षक अंजलि चौधरी, आरक्षक दुर्गेश राजवाड़े शामिल रहे।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ किया अपशब्दों का प्रयोग लेकिन मित्रता क्यों निभा रहे भाजपाई ?

सोशल मीडिया में फोटो डालकर आपत्तिजनक शब्दों का किया प्रयोग

अजीत लकड़ा हैं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष,शिवपुर चरचा के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष भी रह चुके हैं

क्या महंत के करीबी होने के कारण कर रहे हैं पीएम के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग या फिर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का उपाय

एसईसीएल की नौकरी से त्यागपत्र देने के वर्षो बाद भी नही छुटा कॉलरी के मकान से मोह...बीते विधानसभा चुनाव में अंबिका सिंहदेव के विरोधी के रूप में हुई थी पहचान

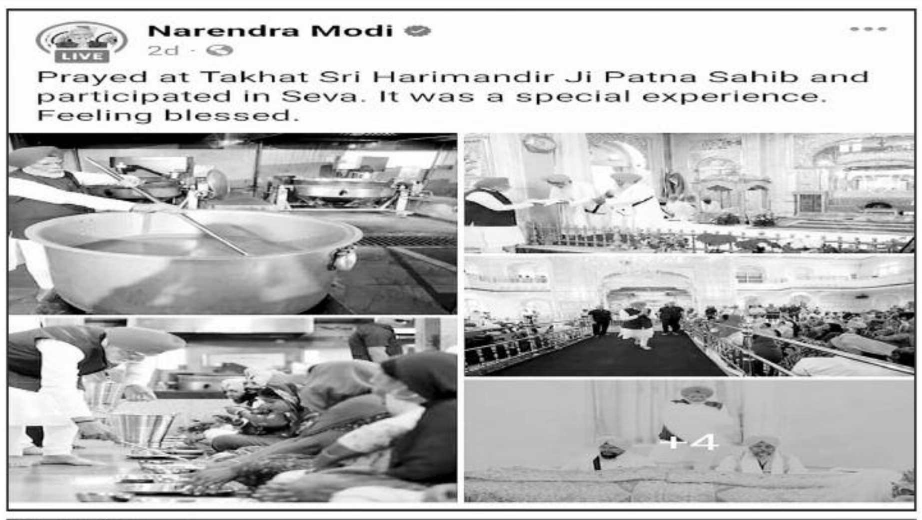

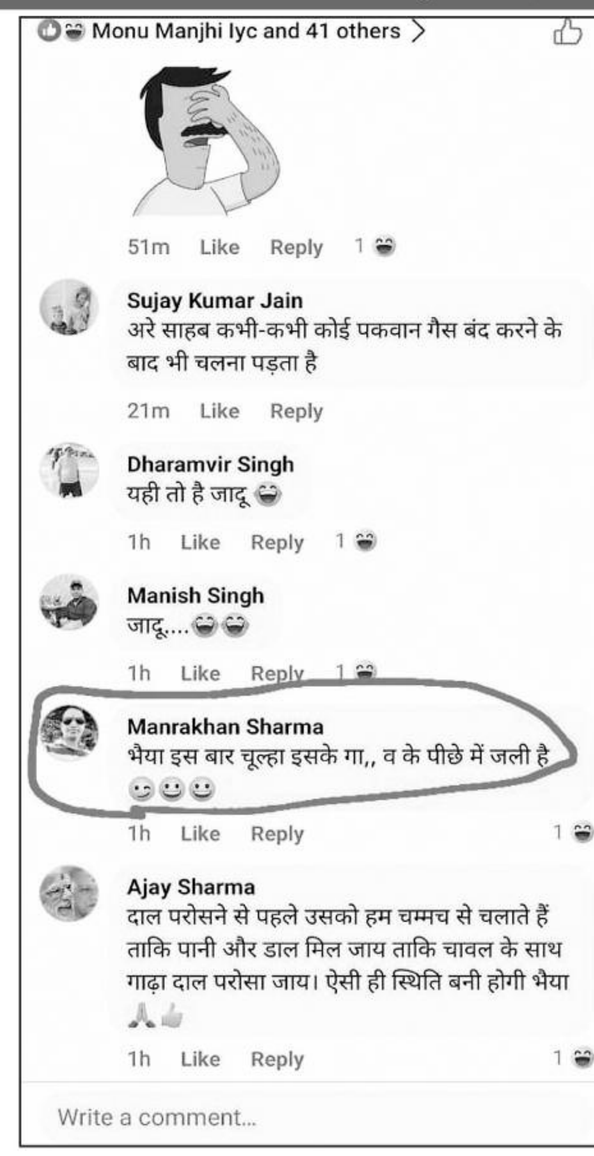

-रवि सिंह-
कोरिया,16 मई 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शिवपुर चरचा के अध्यक्ष एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अजीत लकड़ा ने राजनैतिक मर्यादा की सीमा को लांघते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी किया है, उनके द्वारा पीएम की फोटो डालकर ऐसे शब्दो का प्रयोग किया गया है जो कि स्वीकार्य नही है। हां ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ गाली गलौज वाले शब्दों का प्रयोग कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का यह हथकंडा जरूर हो सकता है, लेकिन सभ्य समाज में इसकी निंदा हो रही है, तो वहीं ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा इस प्रकार शब्दों का प्रयोग करने के बाद भी भाजपाई सोए हुए हैं और लगता है वे कांग्रेस नेता से मित्रता निभा रहे हैं।

नही छूटा कॉलरी के मकान से मोह...प्रबंधन पर भी सवालिया निशान...

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शिवपुर चरचा के अध्यक्ष अजीत लकड़ा पूर्व में एसईसीएल कर्मचारी थे लेकिन उन्होने लगभग 7 वर्ष पूर्व नौकरी से त्यागपत्र दे दिया था और शिवपुर चरचा के अध्यक्ष भी निर्वाचित हुए थे...तब तक वे चरचा में एसईसीएल के मकान में ही निवास कर रहे थे नियमानुसान नौकरी से त्यागपत्र देने के बाद उन्हे कॉलरी का मकान भी छोड़ना था लेकिन उनके द्वारा आज दिनांक तक मकान नही छोड़ा गया है। हलांकि संभावना है कि उनके द्वारा उक्त मकान किसी अन्य के नाम पर आबंटित करा लिया गया हो लेकिन दूसरे के नाम पर भी मकान आबंटित कराकर उसमे रहना अवैध है। ब्लॉक अध्यक्ष के द्वारा एसईसीएल के मकान में बिना पात्रता के रहना कई सवालों को जन्म देता है और इसमें कॉलरी प्रबंधन की भूमिका पर भी सवालिया निशान है।

गुरूद्वारे की फोटो डालकर आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी पिछले दिनों ही गुरूदारा गए हुए थे जहां उन्होने गुरुद्वारे में मत्था टेका एवं लंगर में अपने हाथो से प्रसाद वितरण किया था। प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया पेज पर भी उक्त तस्वीरें मौजूद हैं। इन्ही में से एक तस्वीर को अपने सोशल मीडिया में डालकर ब्लॉक अध्यक्ष अजीत लकड़ा ने आपत्तिजन शब्द का प्रयोग किया है। उन्होने पीएम पर कटाक्ष करते हुए लिखा है कि बीड़ी जिगर से जल सकता है लेकिन बिना चूल्हा जलाए दाल कैसे बन सकता है, फोटो के लिए कुछ भी करेगा 'साला'। ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा किये गए उक्त पोस्ट के बाद कांग्रेस समर्थित कुछ कार्यकर्ता भी पीएम के खिलाफ उटपटांग शब्दो का प्रयोग कर रहे हैं।

क्या महंत के सामने नंबर बढाने और सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का है उपाय ?

अजीत लकड़ा कांग्रेस कमेटी शिवपुर चरचा के ब्लॉक अध्यक्ष हैं एवं पूर्व में एसईसीएल की नौकरी से त्यागपत्र देकर नगरपालिका का अध्यक्ष भी निर्वाचित हो चुके हैं। उन्हे महंत समर्थक नेता माना जाता है,इस वजह से गत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव का विरोधी होने के बाद भी उन्हे डॉ. चरणदास महंत का साथ मिलने के कारण कार्यवाही नही हुई थी अन्यथा अंबिका सिंहदेव ने उन्हे भी हटाने के लिए पत्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी को दिया था जैसा कि सूत्रो का कहना है। अब हलाकि लोकसभा का चुनाव इस सीट पर संपन्न हो चुका है,लेकिन इस प्रकार की बयानबाजी से ऐसा लगता है जैसे ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा डॉ. महंत के सामने अपना नंबर बढाने और सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ इस प्रकार के शब्दो का प्रयोग किया गया है जो कि अशोभनीय है एवं उनकी गंदी मानसिकता का परिचायक है।

मित्रता निभा रहे भाजपाई

कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा सोशल मीडिया में पीएम के खिलाफ इस तरह के अमर्यादित शब्दो का प्रयोग किया गया है जो कि सभ्य समाज कतई स्वीकार नही करता। और ऐसे घटिया हरकत करने वाले नेताओं की निंदा भी समाज करता ही है। लेकिन यह भी चिंतनीय विषय है कि स्थानीय भाजपाई ब्लॉक अध्यक्ष के खिलाफ कुछ बोलने को तैयार नही है, ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे वे ब्लॉक अध्यक्ष से मित्रता निभा रहे हैं।

शिक्षक की पुत्री सानवी जायसवाल दसवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में कोरिया एवम एमसीबी जिले में आई प्रथम

सानवी के जिला में टॉप करने से विद्यालय परिवार सहित क्षेत्र का नाम हुआ राशन

-संवाददाता-
कोरिया,16 मई 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलका में पदस्थ व्याख्याता शिक्षक सुशील जायसवाल निवासी डबरीपारा जमगहना की बिटिया शानवी जायसवाल ने कोरिया एमसीबी संयुक्त जिले की मेरिट सूची में कक्षा दसवीं सीबीएसई परीक्षा परिणाम में अपना प्रथम स्थान बनाया है शानवी जायसवाल ने 97.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय परिवार सहित क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शानवी जायसवाल बैकुंठपुर रामपुर स्थित संत जोसेफ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत हैं। बता दें की शानवी जायसवाल के पिता जहां व्याख्याता हैं वहीं उनकी माता भी आत्मानंद विद्यालय में शिक्षिका हैं। शानवी जायसवाल के चाचा भी एक गणित के व्याख्याता हैं वहीं एक चाचा उनके शिक्षक पद पर पदस्थ हैं, उनके परिवार में उनके एक चाचा ग्राम पंचायत सचिव पद पर भी पदस्थ हैं वहीं एक चाचा उनके शासकीय विद्यालय में लिपिक पद पर पदस्थ हैं उनकी एक चाची शिक्षक हैं वहीं उनकी चाची ने भी हाल ही में पीएससी प्रारंभिक परीक्षा पास की है। कुल मिलाकर शानवी जायसवाल का पूरा परिवार शिक्षा क्षेत्र से ही जुड़ा हुआ हैद्य संयुक्त जिला मनेद्रगढ़ और कोरिया में टॉप पर रही 97.4 प्रतिशत अंक के साथ शानवी जायसवाल जिला मनेन्द्रगढ़ एवं कोरिया में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने परिवार, गुरुजनों और जिला कोरिया का नाम रोशन की हैं।

महिला बाल विकास मंत्री का यह कैसा कारनामा

फड़ मुंशी बनाने के लिए हुई सिफारिश

वर्षों से काम कर रहे फड़ मुंशियो की छिनी जाएगी रोजी रोटी, होने लगा विरोध

मामला सूरजपुर से जुड़ा हुआ,महिला बाल विकास मंत्री ने वन मंडलाधिकारी को लिखा पत्र,पत्र अनुसार फड़ मुंशी नियुक्त करने दिया निर्देश

-ओंकार पाण्डेय-
सुरजपुर,16 मई 2024
(घटती-घटना)।

मंत्री विधायक की सिफारिश से काम होते हैं ऐसा सुना गया है और अनुभव भी लोग करते आए हैं लेकिन सिफारिश के लिए अधिकारियों को सीधे पत्र लिखने की हिम्मत हर मंत्री विधायक नहीं करता बल्कि सभी मौखिक निर्देश जारी कर सिफारिश करते हैं लेकिन यदि बात छत्तीसगढ़ प्रदेश की महिला बाल विकास मंत्री की की जाए तो वह सीधे अधिकारी को ही पत्र लिखकर सिफारिश कर रही हैं साथ ही वह निर्देश जारी कर रही हैं की किसे कहां नियुक्त करना है। यह अपने आप में पहला मामला है जहां तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के दौरान फड़ मुंशी नियुक्त किए जाने के लिए महिला बाल विकास मंत्री ने वन मंडलाधिकारी को पत्र लिखा है और उनके क्षेत्र में कौन किस फड़ का मुंशी होगा उन्होंने यह अपने लेटर पैड पर लिखकर वन मंडलाधिकारी को बता दिया है और निर्देशित कर दिया है की किन्हें कहां नियुक्त करना है। वैसे अब उनके सिफारिश पत्र का विरोध शुरू हो गया है और लोगों का यह कहना है की भाजपा शासन में मंत्री फड़ मुंशी बनाने सिफारिश कर रही हैं और वह भी लेटर पैड में।

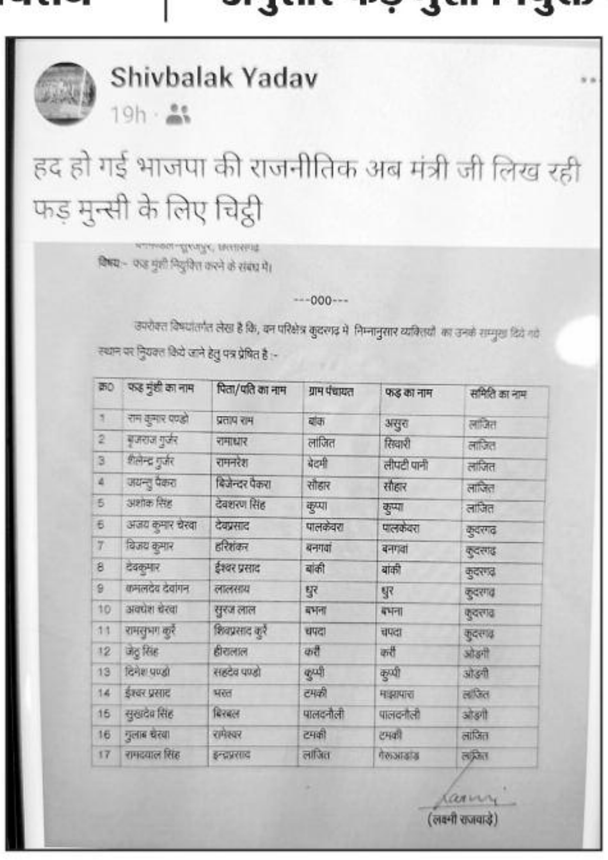

विषय:- फड़ मुंशी नियुक्ति करने के संबंध में।

---000---

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि, वन परिक्षेत्र कुदरगढ़ मे निम्नानुसार व्यक्तियों का उनके सम्मुख दिये गये स्थान पर नियुक्त किये जाने हेतु पत्र प्रेषित है :-

क्र0	फड़ मुंशी का नाम	पिता/पति का नाम	ग्राम पंचायत	फड़ का नाम	समिति का नाम
1	राम कुमार पण्डो	प्रताप राम	बांक	असुरा	लांजित
2	बृजराज गुर्जर	रामाधार	लांजित	सिवारी	लांजित
3	शैलेन्द्र गुर्जर	रामनरेश	बेदमी	लीपटी पानी	लांजित
4	जयन्तु पैकरा	बिजेन्दर पैकरा	सौहार	सौहार	लांजित
5	अशोक सिंह	देवशरण सिंह	कुप्पा	कुप्पा	लांजित
6	अजय कुमार चेरवा	देवप्रसाद	पालकेवरा	पालकेवरा	कुदरगढ
7	विजय कुमार	हरिशंकर	बनगवां	बनगवां	कुदरगढ
8	देवकुमार	ईश्वर प्रसाद	बांकी	बांकी	कुदरगढ
9	कमलदेव देवांगन	लालसाय	धुर	धुर	कुदरगढ
10	अवधेश चेरवा	सुरज लाल	बभना	बभना	कुदरगढ
11	रामसुभग कुर्रे	शिवप्रसाद कुर्रे	चपदा	चपदा	कुदरगढ
12	जेठु सिंह	हीरालाल	कर्री	कर्री	ओड़गी
13	दिनेश पण्डो	सहदेव पण्डो	कुप्पी	कुप्पी	ओड़गी
14	ईश्वर प्रसाद	भरत	टमकी	माझापारा	लांजित
15	सुखदेव सिंह	बिरबल	पालदनौली	पालदनौली	ओड़गी
16	गुलाब चेरवा	रामेश्वर	टमकी	टमकी	लांजित
17	रामदयाल सिंह	इन्द्रप्रसाद	लांजित	गेरुआडांड़	लांजित

(लक्ष्मी राजवाड़े)

मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के द्वारा वन विभाग के अधिकारियों को पत्र प्रेषित करते हुए नए सिरे से फड़ मुंशी नियुक्त करने की अनुशंसा की गई है,यह पत्र भी घटती-घटना को प्राप्त हुआ है। अनुशंसा पत्र लिखे जाने के बाद वर्तमान मे काम कर रहे फड़ मुंशियो के माथे पर चिंता की लकीर देखी जा रही है,उन्हे अपने रोजी-रोटी की चिंता सताने लगी है,प्रभावित लोग अब विरोध की स्थिति में भी नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में प्रति वर्ष जंगलो से तेंदूपत्ता तोड़ने का काम किया जाता है,उन्हे तेंदूपत्ता संग्राहको द्वारा एक निश्चित स्थल पर लाकर इकट्ठा किया जाता हैं जिसका आंकलन विभाग द्वारा नियुक्त मुंशी के द्वारा किया जाता है इन्हे ही फड़ मुंशी कहा जाता है।

पुराने फड़ मुंशीयो से छिन जाएगा रोजगार

महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विभागीय अधिकारियों को यह पत्र लोकसभा चुनाव अचार संहिता के ठीक पहले लिखा था,जो पत्र अब वायरल हो चुका है। और यह पत्र उन फड़ मुंशियो तक भी जा पहुंचा है जो कि पहले से उक्त फड़ो में काम कर रहे हैं। हलाकि फड़ मुंशी की नियुक्ति नियमित नही होती ऐसे फड़ मुंशी अब विरोध की स्थिति मे हैं और उनका कहना है कि नए नामो की अनुशंसा किये जाने से हमारा रोजी रोटी छिन जाएगा जो कि कहीं से न्यायसंगत नही है।

मंत्री का निर्णय या मंत्री पति का...

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के द्वारा खुद के लेटर पैड में विभिन्न फड़ो हेतु नए मुंशियो की नियुक्ति का अनुशंसा पत्र अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुका है। यह निर्णय मंत्री का है या मंत्री पति का लोग इसे लेकर काफी असमंजस में है हलांकि घटती-घटना सूत्रों का कहना है कि यह निर्णय मंत्री पति का है और उनके द्वारा ही चहेतों को उपकृत करने के लिए अनुशंसा पत्र दिया गया है।

विधानसभा क्षेत्र में फड़ मुंशी नियुक्त करने की अनुशंसा

प्रदेश की महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े जिनका निर्वाचन क्षेत्र भटगांव विधानसभा है और जैसा कि सर्वविदित है कि मंत्री के समस्त कार्यो का संचालन उनके पति द्वारा ही किया जाता है,पति के निर्देश और निर्णय तथा इर्द गिर्द घूमने वाले रिश्तेदारों के सलाह के बाद मंत्री द्वारा किसी भी पत्र पर हस्ताक्षर किया जाता है। अब मंत्री ने एक अनुशंसा पत्र सूरजपुर जिले के वनमंडलाधिकारी एवं प्रबंध संचालक को प्रेषित किया गया है जिसमें उनके द्वारा भटगांव विधानसभा क्षेत्र के बिहारपुर अ, ब एवं स, अवंतिकापुर अ, ब एवं स, सपहा, बेगारीडाड़,पेंडारी अ एवं ब,उमझर अ एवं ब,रामगढ, कछवाही,महुली अ एवं ब, कोल्हुआ अ एवं ब, कोल्हुआ खास,चोंक, मोहरसोप ब,मोहरसोप,ठुठियापारा,बसनारा, जेल्हा,कैलाशनगर,चउरापारा,असुरा, सिवारी,लीपटी पानी,सौहार,कुप्पा,पाल केवरा,बनगंवा,बांकी,धुर,बभना,चपदा, कर्री, कुप्पी,माझापारा,पालदनौली,टमकी, गेरूआडांड़ आदि में नए सिरे से फड़ मुंशी नियुक्त करने की अनुशंसा की गई है।

एमसीबी जिले में संचालित समस्त स्कूल बसों की चेकिंग आज

-संवाददाता-
एमसीबी,16 मई 2024 (घटती-घटना)।

माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा याचिका क्रमांक डब्ल्यूपीसी (पीआईएल) को पारित आदेश के तारतम्य में छ.ग. शासन परिवहन विभाग की अधिसूचना नवम्बर 2015 जारी की जाकर स्कूल बस अनुज्ञा पत्र के लिए शर्तें जारी की गई है एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली द्वारा संदर्भित पत्र में दर्शित 16 बिन्दु वाले मापदंड पर वाहन की चेकिंग हेतु पत्र प्राप्त हुआ है। जिला परिवहन अधिकारी द्वारा बताये गये जानकारी अनुसार संदर्भित पत्र के परिपालन में कोरिया एवं जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में संचालित समस्त स्कूल बसों की चेकिंग 17 मई 2024 को प्रातः 10:00 बजे जिला परिवहन कार्यालय बैकुण्ठपुर जिला कोरिया में किया जाना है। जिला परिवहन अधिकारी ने जिले समस्त स्कूल बस संचालकों को उक्त स्थान एवं समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है। प्रत्येक स्कूल बस को छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम 1994 के नियम 114 के उप नियम(5) के अनुसार पीला रंग में रंगा जायेगा तथा वाहन के सामने एवं पीछे स्कूल बस अंकित किया जायेगा। स्कूल बस के बाह्य भाग में दोनों ओर 09 इंच की एक पट्टी होगी, जिस पर स्कूल का नाम, पता व टेलीफोन, मोबाईल नंबर अंकित किया जायेगा। बसों के खिड़कियों में क्षैतिज के समांतर जाली की व्यवस्था की जायेगी। प्रत्येक स्कूल बस में प्राथमिक उपचार पेटी एवं अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था होगी। प्रत्येक स्कूल बस में प्राथमिक उपचार, विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए एक प्रशिक्षित परिचायक होगा, जो बच्चों को उतारने एवं चढ़ाने में सहायता करेगा। स्कूल बस का संचालन ऐसे चालक द्वारा किया जायेगा, जो स्थायी ड्राइविंग लाईसेंस धारण करता हो तथा जिसके पास भारी यान चलाने के लिए न्यूनतम पांच वर्ष का अनुभव हो। ऐसे चालक नियोजित नहीं किये जायेंगे जिनका सड़क पर लेन व्यवस्था का उल्लघंन करने,सिग्नल लाईट का उल्लघंन करने या अनाधिकृत व्यक्तियों को वाहन में चढ़ाने पर वर्ष में दो बार से अधिक चालान किया गया हो। ऐसा चालक नियोजित नहीं किया जायेगा जिसका एक बार भी अनियंत्रित गति,नशे की हालत में वाहन चलाने तथा खतरनाक ढंग से वाहन संचालन करने के अपराध में चालान किया गया हो। स्कूल संस्थान द्वारा वाहन के चालक से इस आशय का शपथ-पत्र लिया जायेगा।

आचार संहिता के दौरान जिले के सरहदों पर लगा रहा कड़ा पहरा... फिर भी आता-जाता रहा असफाक का पैसाःसूत्र

क्या असफाक की पहुंच मुख्यमंत्री तक...इस वजह से नहीं हो पा रही कार्यवाही ?

» **असफाक के गुर्गे गाड़ियों में ढोते रहे पैसा वह भी हथियारों के साथ...पर पुलिस के हत्थे नहीं चढेःसूत्र**

» **यदि आचार संहिता के दौरान इतने बैरिकेड होने के बावजूद असफाक के गाड़ी पर पुलिस ने नहीं रखी नजर तो अब क्या आचार संहिता के बाद होगी कार्यवाही ?**

- ओंकार पाण्डेय -
सूरजपुर,16 मई 2024 (घटती-घटना)। पूरे देश में आचार संहिता लागू है और सभी राज्य के जिलों की सीमा पर पुलिस तैनात है ताकि कोई भी अवैध गतिविधियां न हो सके और इस बीच भी यदि अवैध कारोबार होता रहे तो सवाल उठना लाजमी है,विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार असफाक उल्ला का कारोबार किसी से छुपा नहीं है फिर भी कार्यवाही का इंतजार आज तक है आचार संहिता के दौरान भी असफाक का नगद पैसा इस जिले से उस जिले अन्य गाडियों से आता जाता रहा उनके गुर्गे हथियार लेकर पैसे लाने का काम करते रहे पर पुलिस के हत्थे कोई नहीं चढ़ पाया? अब इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पुलिस की मुखबिरी ध्वस्त हो चुकी है? सूत्रों का दावा है कि पूरे आचार संहिता के दौरान असफ़ाक उल्ला के गुर्गे अलग-अलग गाडियों से कैश लेकर आते-जाते रहे हर गाडियों में गुर्गों के पास हथियार भी मौजूद रहता है मतलब की कहा जाए तो गैर कानूनी हथियार अब इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि असफ़ाक का व्यापार कितना खतरनाक है...पर समझ तो यह नहीं आ रहा कि इतनी सारी जांच एजेंसियां जिन तक यह खबरें पहुंच रही है फिर भी वह असफाक के कारोबार का पता नहीं कर पा रही हैं? जहां एक तरफ शिवा साहू पर पुलिस की कार्यवाही जारी है इनाम तक की घोषणा हो चुकी है पर वही असफाक के गिरेबान पर हाथ डालने से भी क्यों बचा जा रहा? असफाक के गुर्गों का कहना है कि सीधे मुख्यमंत्री तक उसकी पहचान है पर सवाल यह उठता है कि क्या सही में मुख्यमंत्री तक पहचान है जिसकी वजह से कार्यवाही आज भी बाट जोह रही है, इनकम टैक्स,जीएसटी विभाग सहित स्वतंत्र एजेंसियां सभी तक यह खबरें पहुंच चुकी है फिर भी उनके मुखबिर भी उन्हें जानकारी नहीं दे पा रहे हैं जो उनके लिए काम करते हैं?

किसान से रायकोना के 'शिवा साहू' ने की 26 लाख की ठगी : पुलिस ने शिवा और साथियों पर किया FIR दर्ज, 30 प्रतिशत कमीशन के साथ रकम ढाई गुना करने का दिया था लालच

फाईल फेटो

असफाक का कारोबार क्या संरक्षण प्राप्त कारोबार है...

असफाक उल्ला का पैसा दुगना करने का कारोबार क्या संरक्षण प्राप्त कारोबार है यह भी एक बड़ा सवाल है। लगातार खबरों के माध्यम से असफाक उल्ला के कारोबार को लेकर जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है निवेश करने वालों में कमी भी आई है लेकिन जागरूक नहीं होने वाले लोगों में वह लोग हैं जो जिम्मेदार हैं जांच और कार्यवाही के लिए...असफाक का कारोबार किस मामले का है कैसे वह पैसा लोगों का दुगना कर रहे हैं यह जानने का प्रयास कोई नहीं कर रहा खासकर पुलिस,आयकर विभाग या अन्य जांच एजेंसियां जिसके बाद यह कहा जा सकता है की असफाक उल्लाह का पूरा व्यवसाय संरक्षण प्राप्त है।

क्या सभी का हिस्सा तय करके असफाक उल्ला ने सभी का मुंह बंद कर रखा है ?

असफाक उल्लाह के व्यवसाय के अनवरत जारी रहने को लेकर यह भी कहा जा सकता है की क्या उसने सभी का हिस्सा तय कर रखा है इसलिए उसका व्यवसाय अनवरत जारी है। अब मामला जो भी हो हकीकत जो भी हो लेकिन असफाक के कारोबार की लगातार हकीकत सामने आने के बाद भी जिम्मेदार लोगों का मौन रहना कार्यवाही नहीं करना साबित करता है की सभी का हिस्सा तय है इसलिए असफाक उल्लाह पर कार्यवाही करने कोई तैयार नहीं है।

घटती घटना
कौन है असफाक उल्लाह जिनके ऊपर लोग विश्वास करके अपना करोड़ों रुपया दांव पर लगा रहे हैं ?

क्या इसी तरह प्रदेश होगा अवैध कारोबार मुक्त,मुख्यमंत्री के अवैध कारोबार मुक्त प्रदेश अभियान का क्या ऐसे ही होगा पालन ?

प्रदेश के मुख्यमंत्री ने एक तरफ प्रदेश में अवैध कारोबार पर पूरी तरह से अंकुश लगाने का निर्देश जारी कर रखा है वहीं असफाक जैसे लोग खुलेआम प्रदेश में लोगों को ठगने का व्यवसाय कर रहे हैं जो चिटफंड का व्यवसाय है और जिसके सट्टा बाजार से भी जुड़े होने की आशंका है। वहीं असफाक उल्लाह के व्यवसाय को लेकर कोई भी जिम्मेदार जांच विभाग ध्यान नहीं दे रहा है यहां तक की पुलिस भी मौन है। अब सवाल उठता है की क्या असफाक उल्लाह के अवैध कारोबार को बढ़ावा देकर मुख्यमंत्री के अवैध कारोबार मुक्त प्रदेश के अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह को बड़ी जिम्मेदारी

- संवाददाता-
सूरजपुर,16 मई 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती राज्य झारखंड के रांची लोकसभा चुनाव के मद्दे नजर रखते हुए चुनाव प्रभारी सहित छत्तीसगढ़ से प्रचारक बनाकर भेजा गया है। जिसमें रांची लोकसभा के विधानसभा के ठाकुरगांव मंडल के ग्राम ही हीसरी काशी टोला ग्राम खाखरा ग्राम बरोड़ी के सभा में जाकर बड़ी जनसभा एवं ग्रामीणों से जनसंपर्क कर पार्टी पक्ष में प्रचार किया स्थानीय विधायक शकुंतला सिंह को झारखंड सहित कई स्थान पर धुआंधार प्रचार प्रसार चल रहा है। तथा अपने पार्टी को जीत दिलाने का लक्ष्य पूरा करते हुए शासन की योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी दे रहे हैं। वही छत्तीसगढ़ के विधायक को अपने बीच के समस्या बताते हुए नजर आए।

बाल कल्याण समिति ने 16 वर्षीय नाबालिक के पालक को दी समझाईश...पालक ने कहा बेटी को पढ़ायेंगे

» **समझाईश मान पालक ने कहा बेटी को पढ़ायेंगे...**

» **नबालिक लकी ने कही आगे पढ़ना चाहती हूं...अपने पैरो पे खड़ा होना चाहती हूं...**

» **जिले में बाल विवाह का ग्राफ नगणय हो इस दिशा में सकारात्मक कदम उठा रहा है जिला प्रशासन**

- संवाददाता-
सूरजपुर,16 मई 2024 (घटती-घटना)। आमापारा जयनगर कोरया में कुछ दिन पूर्व एक जोड़ा विवाह के बंधन में बंधने जा रहा था। सूत्रो के हवाले से बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के पास सूचना आई कि सम्पन्न होने वाला विवाह,बाल विवाह है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन द्वारा विकासखण्ड स्तरीय उड़तदस्ता की टीम गांव आमापारा में पहुंची। जहां नाबालिक लड़की के परिवार से विवाह के संबंध में जानकारी ली गई और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी उन्हे देते हुए,उन्हे विवाह रोकने की समझाईश दी गई। परिवार जन द्वारा सहमती दी गई, जिसके बाद टीम वापस आ गई। इसके पश्चात् भी बाल संरक्षंण ईकाई द्वारा लगातार विवाह के संबंध में जानकारी ली जा रही थी। पुनः गुप्त सूत्र के हवाले उन्हे पता चला कि लड़के पक्ष में विवाह की तैयारी यथावथ की जा रही है,जिसकी पुष्टी के लिये पुनः बाल संरक्षण इकाई द्वारा जानकारी इक्ठ्ठा की गई जब विवाह की तैयारी के पुख्ता प्रमाण मिलें तब बाल संरक्षण ईकाई द्वारा नाबालिक लड़की को रेस्कयू कर सूरजपुर लाया गया और सखी सेंटर में 06 दिवस तक रखा गया। इसके पश्चात् नाबालिक व उसके परिवार को आज न्यायपीठ बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जहां समिति के अध्यक्ष गोरे लाल राजवाडे एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जयसवाल द्वारा परिवार एवं बालिका को पुनः समझाईश दी गई। जिसे मानते हुए परिवार द्वारा नाबालिक लड़की को उसके उज्जवल भविष्य के लिए आगे पढ़ाने का निर्णय लिया गया है। लडकी ने भी आगे पढ़ने की अपनी इच्छा जाहिर कि है। इसके साथ ही पढ लिखकर वह सरकारी नौकरी करना चाहती है व अपने पैरो में खड़ा होना चाहती है।

जिला प्रशासन बाल विवाह को लेकर काफी सख्त है, इसके साथ ही जिले में बाल विवाह का ग्राफ नगणय हो इस दिशा में सकारात्मक कदम उठा रहा है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास द्वारा बाल विवाह रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गये है ताकि बाल विवाह कुरीति को समाप्त किया जा सके।

10 दिवसीय आवासीय जिला स्तरीय पीएम श्री समर कैंप 2024 का हुआ आगाज

- संवाददाता-
सूरजपुर,16 मई 2024 (घटती-घटना)। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के निर्देशानुसार समग्र शिक्षा सूरजपुर के द्वारा कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला पंचायत सीईओ कमलेश नंदिनी साहू के निर्देशन और जिला मिशन समन्वयक शशिकांत सिंह के मार्गदर्शन में 10 दिवसीय आवासीय जिला स्तरीय पीएम श्री समर कैंप 2024 का आयोजन दिनांक 15 मई से 24 मई तक कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सूरजपुर में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सीईओ कमलेश नंदिनी साहू के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पश्चात् प्रतिभागी बच्चों और शिक्षकों को समर कैंप हेतु आवश्यक शैक्षणिक कीट का वितरण किया गया। इस समर कैंप में बच्चे आर्ट एवं क्राफ्ट,ड्राइंग पेंटिंग,पर्यावरण संरक्षण,नाटक,योगा,संगीत,विज्ञान प्रौद्योगिकी,वाद-विवाद,गणित की दुनिया,सामुदायिक सेवा एवं स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी विधाओं में पारंगत होंगे। इस आयोजन में जिले के विकासखण्ड सूरजपुर से पीएम प्राथमिक शाला राजापुर,विकासखण्ड प्रेमनगर से पीएम प्राथमिक शाला चन्दननगर,विकासखण्ड प्रतापपुर से पीएम प्राथमिक शाला धरमपुर, विकासखण्ड रामानुजनगर से पीएम प्राथमिक शाला केशवपुर, विकासखण्ड भैयाथान से पीएम प्राथमिक शाला भटगांव और विकासखण्ड ओड़गी से पीएम प्राथमिक शाला महुली के बच्चे प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए हैं।

कलेक्टर ने गेवरा कोल माइन्स का निरीक्षण कर टैंकर से पानी आपूर्ति और सकों पर नियमित छिकाव के दिए निर्देश

- संवाददाता-
कोरबा,16 मई 2024 (घटती-घटना)। कलेक्टर अजीत वसंत ने गेवरा कोयला खदान का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने खदान में किए जाने वाले कोयला उत्खनन, आधुनिक मशीनों के माध्यम से सतह स्तरीय माइनिंग की प्रक्रिया, डम्फरों और माल गाड़ी के माध्यम से कोयले का परिवहन सहित कोयले का भण्डारण, साइलो और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने गेवरा खदान के व्यू पॉइंट से माइन्स की गतिविधियों को देखने के अलावा एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रबंधन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसईसीएल प्रभावित क्षेत्रों की सड़कों में नियमित पानी का छिड़काव किया जाए। इसके साथ ही प्रभावित ग्रामों में पेयजल की समस्या को दूर करने टैंकरों के माध्यम से जल की आपूर्ति की जाए। कलेक्टर ने सुबह 08 से 10 बजे के बीच पानी की आपूर्ति टैंकर के माध्यम से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोयला खदानों में हैवी ब्लास्टिंग पर नियंत्रण रखने और अति आवश्यक होने पर सीमित ब्लास्टिंग के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा, एसडीएम कटघोरा सरोज महिलांगे तथा एसईसीएल के जीएम एस के मोहंती अधिकारी उपस्थित थे।

रामानुजगंज मे दसवीं में 92.8 प्रतिशत लाकर मयंक सिंह बने टॉपर

- संवाददाता-
रामानुजगंज,16 मई 2024 (घटती-घटना)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली के द्वारा घोषित बोर्ड के परीक्षा परिणाम 2024 में न्यू एरा पब्लिक स्कूल रामानुजगंज के मयंक सिंह पिता मनोज सिंह ने 92.8 प्रतिशत अंक लाकर उत्कृष्ट सफलता अर्जित की है। विद्यालय के अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं, जिसमें की 11 बच्चों ने 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं इसी तरह वृत्त रंजन मित्र 84.4 प्रतिशत, कुमकुम सरकार ने 84 प्रतिशत, श्रेयांश गुप्ता 83.6 प्रतिशत, शिवांश यादव 82.7 प्रतिशत, इशिका गुप्ता 81.4 प्रतिशत रिया गुप्ता 80.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने अपने कामयाबी का श्रेय अपने माता-पिता स्कूल के शिक्षकों एवं स्कूल के शैक्षणिक वातावरण को दिया है। कक्षा 12 वीं में भी न्यू एरा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है 12 वीं में कल 19 छात्र अध्ययन कर रहे थे, जिसमें की 14 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण किए हैं और 6 छात्रों में 75प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किया है न्यू एरा पब्लिक स्कूल की प्राचार्य पी.राय ने बच्चों के इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सभी को बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना दिए हैं न्यू एरा पब्लिक स्कूल के व्यवस्थापक राकेश गुप्ता ने सफलता अर्जित करने वाले सभी छात्रों को बधाई देते हुए बताया कि पिछले वर्ष से इस वर्ष का परीक्षा परिणाम काफी बेहतर रहा है इसके लिए उनके माता-पिता और सभी शिक्षकों को बधाई दिये है।

जंगल में किया गया तेंदुआ का शिकार,शरीर के कई अंग हुए गायब

- संवाददाता-
कोरबा,16 मई 2024 (घटती-घटना)। जिले के कटघोरा वन वन मंडल अंतर्गत पाली उप वन मंडल के चैतमा रेंज में एक व्यस्क तेंदुआ का शिकार होने की जानकारी दी जा रही हैं। जिसकी जानकारी होते ही कटघोरा वनमंडल के अधिकारी त्वरित हरकत में आ गए एवं घटना स्थल पर पहुंचे । इस दौरान 2-3 अलग-अलग दल जंगल के उस स्थान पर पहुंच गई जहां तेंदुए का आधा अधूरा शव पड़ा था। रायपुर से सर्चिंग डॉग की टीम को भी बुलाया गया है द्व सूत्रों से प्राप्त जानकारियों के मुताबिक तेंदुआ का शिकार 1-2 दिन पूर्व ही किया गया है। उसके शरीर से खाल के कुछ हिस्से निकाले जाने के साथ ही नाखून, दांत और पूंछ गायब मिली हैं। बता दें कि पाली के जंगल में तेंदुआ की आमदरफ्त होती रही है। खासकर गर्मियों के मौसम में वे भोजन व पानी की तलाश में यहां नजर आते हैं। इतना ही नहीं अचानकमार अभ्यारण्य से लगा हुआ जंगली इलाका होने से बाघ भी यहां कई बार देखे गए हैं। तेंदुआ का शिकार कर उसके अंग गायब करने की घटना से इलाके में सनसनी व्याप्त है। फिलहाल वन विभाग के अधिकारी सघन जांच कार्यवाही शुरू कर दी हैं ।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर- जिला-सूरजपुर,(छ0ग0)

0153 राजस्व प्रकरण क्र/.ब-12 / 202414/05/2024

ईश्तहार

आवेदक आवेदिका का नाम टेकराम आ0जयलाल जाति रजवार निवासी ग्राम-नेवरा प0ह0नं0..... तहसील-सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने माता स्व. बुधियारों पति जयलाल मृत्यू जन्म दिनांक 22/08/2023का मृत्यु जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गयाहैं।जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई हैं।इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोईआपत्ति हो, तो दिनांक 27/05/2024 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है।,नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नही किया जायेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक जारी किया जाता हैं।

सील | तहसीलदार सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार- अंबिकापुर के न्यायालय में मामलों क्रमांक 202405020700077

विषय :-ब-121 मामलों की श्रेणी :- राजस्व सन् :-2023-2024

नमना कला प.ह.नं.00020पक्षकार का विवरण -आवेदक पक्षकार - स्वपनिल गौरव सिहं
अनावेदक पक्षकार -छ0ग0 शासन

ईश्तहार

आवेदक स्वपनिल गौरव सिंह आ0 स्व0 बिजय सिंह निवासी दत्ता कालोनी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने पिता स्व0 बिजय सिंह जो कार्यालय छ0ग0 राज्य बिज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड मुख्यालय रविग्राम तेलीबंधा रायपुर में कार्यरत थे जिनकी मृत्यू दिनांक 27/12/2023 को हो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र अपर कलेक्टर अंबिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं जो जांच हेतु दस न्यायालय को प्राप्त हुआ हैं।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/06/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा -आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा -आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/05/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील | तहसीलदार तहसील अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-6-अ/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरि आ0 शिवलाल व अन्य 01 निवासी ग्राम ठाकुरपुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम ठाकुरपुर स्थित भूमि में खसरा नंबर 542/,1, 545/547 786/1, रकबा क्रमश :0.035 ,0.050 ,0.400 0.140 हे0 उनके पूर्वजो से विरासतन हक प्राप्त हुआ हैं। उक्त भूमि मेंसे खसरा नं0 542 के बटा नं0 542/8 रकबा 0.130 हे0 भूमि आवेदकगण के स्वत्व की भूमि है जो त्रुटिवश वर्तमाान राजस्व अभिलेखों में खसरा नं0 542/8रकबा 0.140हे0 शासकीय मद में दर्ज हो गया हैं तथा रकबा 0.130 हे0 में से 0.140हे0 दर्ज हो गया हैं। आवेदकगण द्वारा खसरा नं0 542/8 रकबा 0.140हे0 में से रकबा 0.130हे0 आवेदकगण के नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया हैं। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/06/2024 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील | नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच महाजंग आज

» जीत के साथ आईपीएल से विदा लेना चाहेंगे मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स

मुंबई,16 मई 2024। आईपीएल प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम पर अपने आखिरी मैच में जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेने की कोशिश करेंगी। मुंबई इंडियंस काफी पहले ही प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स अगर आखिरी मैच में भारी अंतर से जीत दर्ज करती है तो भी उसके अंतिम चार में पहुंचने की संभावना नगण्य हैं। तीन मैचों में लगातार हार से लखनऊ ने अंक भी गंवाये और रनरेट भी खराब हो गया। केकेआर से 98 रन से हार के बाद उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने दस विकेट से और दिल्ली कैपिटल्स ने 19 रन से हराया।

सातवें स्थान पर काबिज लखनऊ का नेट रनरेट माइनस 0.787 है जबकि छठे स्थान की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का रनरेट 0.387 है। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम थी। नये कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ इस सत्र में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। अब तक 13 मैचों में बस चार जीत सकी मुंबई इंडियंस शुक्रवार को जीत जाती है तो उसके दस अंक होंगे जिससे वह आखिरी स्थान पर रहने से बच सकती है। सत्र से पहले रोहित शर्मा की जगह पंड्या को कप्तानी सौंपे जाने से मुंबई के प्रशंसकों में काफी आक्रोश था जिसका टीम के प्रदर्शन पर भी असर पड़ा।

बल्लेबाजों ने पूरी तरह निराश किया तो गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह (13 मैचों में 20 विकेट)दूसरे गेंदबाजों को अच्छे प्रदर्शन के लिये प्रेरित नहीं कर सके। इस मैच में फोकस विश्व कप टीम में शामिल पंड्या, रोहित,बुमराह और सूर्यकुमार यादव पर रहेगा। रोहित पिछली छह पारियों में नाकाम रहे हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 19 रन रहा। वहीं पंड्या भी हरफनमौला की भूमिका बखूबी नहीं निभा सके। सूर्यकुमार यादव ने तीन अर्धशतक और एक शतक जमाकर आत्मविश्वास हासिल किया है। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने तीन अर्धशतक समेत 136.36 के स्ट्राइक रेट से 465 रन बनाये। उनका स्ट्राइक रेट हालांकि चर्चा का विषय रहा। निकोलस पूरन (168 . 92 के स्ट्राइक रेट से 424 रन) ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन एक ईकाई के रूप में टीम नाकाम रही।

टीमें...

मुंबई इंडियंसः-हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, गेराल्ड कोएट्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, इशान किशन, अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), नेहल वढेरा और ल्यूक वुड।

लखनऊ सुपर जाइंट्सः- केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान। मैच का समय = शाम 7 . 30 से।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली,16 मई 2024। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने गुरुवार को संन्यास लेने का ऐलान किया है। वह कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर के बाद अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह देंगे।39 वर्षीय स्ट्राइकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया। लगभग 10 मिनट के इस वीडियो में सुनील छेत्री ने अपने सफर को याद किया।

सुनील छेत्री ने कहा,मैं उस फीलिंग को बयां नहीं कर सकता हूं, जब मैंने देश के लिए अपना डेब्यू मैच खेला था। जब टीम की जर्सी पहनी,तो वो एक अलग ही फीलिंग थी। डेब्यू वाले दिन को मैं कभी भी नहीं भूल सकता।

अपने पिछले 19 वर्षों के सफर को याद करना शानदार था। यह मेरे कर्तव्य, दबाव और अपार खुशी का एक बहुत अच्छा संयोजन है। मैंने व्यक्तिगत रूप से कभी नहीं सोचा था कि मैं देश के लिए इतने सारे मैच खेलूंगा। मैंने अपने माता-पिता और पत्नी को सबसे पहले इस फैसले के बारे में बताया। मेरे पिता खुश थे लेकिन मेरी मां और पत्नी रोने लगी। मैंने उनसे कहा कि आप मुझे हमेशा कहते थे कि मुझे खेलते हुए देखकर आप बहुत दबाव महसूस करते थे,लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

इस स्टार स्ट्राइकर ने 12 जून 2005 को पाकिस्तान के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया। वह 2008 में एएफसी चैलेंज कप, 2011 और 2015 में सैफ चैंपियनशिप... 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे हैं। साथ ही 2017 और 2018 में इंटरकांटिनेंटल कप में वो भारतीय टीम का हिस्सा रहे।

इसके अलावा,छेत्री 150 मैचों में 94 के साथ सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय गोल की सूची में अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेसी (180 मैचों में 106) और पुर्तगाल के महान क्रिस्टियानो रोनाल्डो (205 मैचों में 128) के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत संधू का कप्तान छेत्री के रिटायरमेंट कॉल पर छलका दर्द

सुनील छेत्री भारतीय फुटबॉल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वो एकमात्र ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिनकी तुलना मेसी और रोनाल्डो जैसे दिग्गज फुटबाल स्टारों से की जाती है। अब, जब उन्होंने संन्यास का फैसला लिया है तो भारतीय खेमे में उदासी छा गई है।

यह एक ऐसा समय है जब फुटबॉल जगत में भारतीय टीम ने नाम कमाना शुरू ही किया था। इस खेल में गुरप्रीत सिंह संधू और सुनील छेत्री मौजूदा भारतीय फुटबॉल टीम के स्तंभ हैं। कप्तान की अंतर्राष्ट्रीय सर्किट से संन्यास लेने की इमोशनल घोषणा के बाद, अब गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने भी अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह वो चीज है जिसे वो कभी नहीं देखना चाहते थे।

सुनील छेत्री के इस शानदार सफर में संधू भी उनके साथ रहे हैं। 2011 में गोलकीपर के रूप में राष्ट्रीय टीम में बुलाए जाने के बाद से दोनों एक साथ फुटबॉल खेल रहे हैं और 2018 से बेंगलुरु एफसी टीम का हिस्सा भी हैं।

संधू ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, ऐसा होते हुए कभी नहीं देखना चाहता था, काश मैं आपकी सोच बदलने के लिए कुछ कर पाता, लेकिन मैं यह भी समझता हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है भाई। पूरे देश को 6 जून को आपके अंतर्राष्ट्रीय करियर का जश्न उसी तरह से मनाने की जरूरत है, जिसके आप हकदार हैं।

छेत्री आखिरी बार 6 जून को फीफा विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत के खिलाफ देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

अगर भारत को अगले दौर के लिए क्वालीफाई करना है और अपने सपने को जिंदा रखना है तो यह मैच जीतना बहुत जरूरी है।

भारत के सर्वकालिक अग्रणी शीर्ष स्कोरर छेत्री ने एक वीडियो में कहा, अपने पिछले 19 वर्षों के सफर को याद करना शानदार था। यह मेरे कर्तव्य, दबाव और अपार खुशी का एक बहुत अच्छा संयोजन है। मैंने व्यक्तिगत रूप से कभी नहीं सोचा था कि मैं देश के लिए इतने सारे मैच खेलूंगा।

विनेश फोगाट ने खेल मंत्रालय से कहा

कृपया ओलंपिक ट्रायल की तारीख,समय,स्थल,प्रारूप की घोषणा करें

पेरिस,16 मई 2024। ओलंपिक के लिए केवल तीन महीने बचे हैं तो स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से ट्रायल का स्थान और प्रारूप, इसका समय, तारीख की घोषणा करने का आग्रह किया है।

महिला पहलवानों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के विरोध प्रदर्शन में अहम रहीं विनेश ने पिछले महीने बिश्केक में 50 किग्रा ओलंपिक कोटा जीता था, लेकिन नियमों के अनुसार अंतिम टीम की घोषणा से पहले उन्हें ट्रायल से गुजरना होगा।

अब तक पांच भारतीय महिलाओं ने पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई किया है और केवल एक पुरुष पहलवान अमन सहरावत को ही वैश्विक प्रतियोगिता का टिकट मिला है।

विनेश ने एक्स पर लिखा, ''पेरिस ओलंपिक में केवल तीन महीने रह गये हैं, इसके बावजूद भारतीय कुश्ती महासंघ ने अभी तक आधिकारिक ट्रायल की तारीख, समय और स्थान सहित प्रारूप की घोषणा नहीं की है। ''

उन्होंने कहा,''यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि सभी महासंघों ने दिसंबर 2023 में या जनवरी 2024 में क्वालीफिकेशन और स्पष्ट प्रारूप की घोषणा कर दी थी।''उन्होंने कहा, ''मैं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण,आईओए,भारतीय कुश्ती महासंघ से अनुरोध करती हूं कि वे इस मामले को प्राथमिकता दें और तुरंत आधिकारिक तौर पर ट्रायल की तारीख,समय,स्थान और सटीक प्रारूप की घोषणा करें।

गायिका कविता कृष्णमूर्ति को ब्रिटेन में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

प्रसिद्ध गायिका कविता कृष्णमूर्ति को लंदन में वार्षिक यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल (यूकेएएफएफ) में संगीत में उनके योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। मिस्टर इंडिया और हम दिल दे चुके सनम जैसी कईहिंदी फिल्मों के गीतों को अपनी आवाज दे चुकीं 66 वर्षीय गायिका को सप्ताहांत में एक शानदार समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया।

कविता कृष्णमूर्ति को चार दशक के करियर में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया है। उन्होंने लगभग 45 भारतीय भाषाओं में 50,000 से अधिक गाने गाए हैं। कृष्णमूर्ति ने लंदन के ताज होटल में एक विशेष संवाद कार्यक्रम में कहा, मेरा रुख इस बात को लेकर हमेशा साफ रहा है कि कोई भी फिल्मी गाना जिसे सुनकर मेरे भाई या मां को शर्मिंदगी महसूस होगी, मैं उसे नहीं गाऊंगी।

विक्की कौशल के जन्मदिन पर भाई सनी कौशल ने शेयर की पुरानी तस्वीर

सैम बहादुर और उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक में अपने अभिनय के लिए लोकप्रिय विक्की कौशल आज, 16 मई, 2024 को अपना 36 वां जन्मदिन मनाए। उन्हें विशेष महसूस कराने के लिए, अभिनेता भाई सनी कौशल ने उनके विशेष दिन पर उन पर थोड़ा प्यार बरसाया। उन्होंने विक्की की बचपन की एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की। इंस्टाग्राम पर बात करते हुए सनी ने लिखा, 36 सालों में ज्यादा तो कुछ नहीं बदला...हैप्पी बर्थडे प्यारी।

हाल ही में कौशल बंधु द ग्रेट इंडियन कपिल शो में पहुंचे जहां उन्होंने ब्रोमांस भी दिखाया। एपिसोड में, विक्की ने एक घटना का जिक्र किया जहां वह अपने माता-पिता से परेशान हो गया था और उसे डांट खानी पड़ी थी। विक्की ने खुलासा किया, हम दोनों को हमारे माता-पिता ने पीटा है। उन्होंने साझा किया, मम्मी हमें नियमित आधार पर सज़ा देती थीं और वह अब भी देती हैं। जहाँ तक पिताजी की बात है, वह हमें साल की 3-4 महत्वपूर्ण घटनाओं पर पीटते थे। वे 4-5 पिटाई ऐसी होंगी जिन्हें आप कभी नहीं भूलेंगे। भाइयों ने नृत्य के प्रति अपने प्रेम के बारे में भी बात की।

उन्होंने साझा किया हम अपने मेहमानों के सामने नृत्य करते थे। बचपन में, हम इमारत के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते थे, इसलिए हम भाग लेते थे और मेडले पर समन्वित नृत्य तैयार करते थे। इसलिए 26 जनवरी और अगले के बीच, हम अपने पिछले प्रदर्शन का प्रदर्शन करेंगे हमारे मेहमानों से, हॉल में एक साथ, तो हमारे पिता कहते थे वे वास्तव में अच्छा नृत्य करते हैं, उन्हें कुछ दिखाओ और हम उत्साहपूर्वक उनके सामने प्रदर्शन करते थे।

काम के मोर्चे पर विक्की,सनी

इस बीच, काम के मोर्चे पर, विक्की अगली बार छावा में रश्मिका मंदाना के साथ दिखाई देंगे। फिल्म में विक्की छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं और रश्मिका उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले की भूमिका में हैं। दूसरी ओर, सनी शिद्दत 2 में अमायरा दस्तूर और परिणीति चोपड़ा के साथ नजर आएंगी। उनके पास फिर आई हसीन दिलरुबा भी है, जिसमें तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और जिमी शेरगिल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

दीप्ति साधवानी ने किया कान्स रेड कार्पेट पर डेब्यू

गेंदा रंग में बला की खूबसूरत दिखी तारक मेहता की एक्ट्रेस

तारक मेहता का उल्टा चश्मा की अभिनेत्री दीप्ति साधवानी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल के 77वें संस्करण के उद्घाटन दिवस पर वॉक किया। बहुप्रतीक्षित फिल्म महोत्सव 14 मई, 2024 को एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ, जिसने प्रतिष्ठित 12-दिवसीय कार्यक्रम के लिए माहौल तैयार किया।

फ्रांस के कान्स में पैलैस डेस फेस्टिवल्स एट डेस कांग्रेस में आयोजित उद्घाटन समारोह में दीप्ति ने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग लंबी ट्रेल के साथ नारंगी गाउन में अपनी शानदार शुरुआत की। अभिनेता तीन दिनों तक रेड कार्पेट पर चलेंगे।

इस साल, शुरुआती रात सितारों से सजी हुई थी, जिसमें क्वेंटिन डुपिएक्स की फिल्म द सेकेंड एक्ट का विश्व प्रीमियर हुआ, जिसमें प्रभावशाली कलाकार शामिल थे। शाम की शोभा बढ़ाते हुए, ऑस्कर विजेता मेरिल स्ट्रीप को सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित पाल्मे डी ओर से सम्मानित किया गया।दीप्ति ने अपने रेड कार्पेट पल की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं और लिखा, ÷77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के लिए गाउन के रिकॉर्ड-ब्रेकिंग सबसे लंबे निशान के साथ रेड कार्पेट पर चलना सम्मानित महसूस कर रही हूं।अगले 12 दिनों में, कान्स फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीनिंग, प्रीमियर और ग्लैमरस रेड कार्पेट-मोमेंट्स की श्रृंखला के साथ दुनिया भर की विविध प्रकार की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

भोजपुरी अभिनेता प्रदीप पांडे चिंटू ने फिल्म अग्निसाक्षी से डेब्यू किया

भोजपुरी अभिनेता प्रदीप पांडे चिंटू ने फिल्म अग्निसाक्षी से डेब्यू किया, इसे ऐतिहासिक बताया भोजपुरी अभिनेता प्रदीप पांडे चिंटू ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी शुरुआत की, इसे सभी भोजपुरियाओं के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। कान्स-2024-भोजपुरी-अभिनेता-प्रदीप-पांडेय-चिंटू-ने-फिल्म-अग्निसाक्षी-से डेब्यू किया, इसे ऐतिहासिक बताया कान्स में भोजपुरी अभिनेता प्रदीप पांडे चिंटू फ्रेंच रिवेरा में कान्स फिल्म महोत्सव पूरे जोरों पर है क्योंकि दुनिया भर से सितारे पैलैस डेस फेस्टिवल्स एट डेस कांग्रेस में इकट्ठा हो रहे हैं। प्रतिष्ठित उत्सव के 77वें संस्करण के लिए कई मशहूर हस्तियां फ्रांस के कान्स में पहुंची हैं। इनमें भोजपुरी अभिनेता प्रदीप पांडे चिंटू भी शामिल हैं, जो दीवाना, दुलारा और मोहब्बत जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। जैसे ही वह प्रतिष्ठित समारोह में अपनी शुरुआत कर रहे हैं, अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए अपनी एक तस्वीर डाली।

शादी के बाद तृषा कृष्णन पर मर मिटे थे धनुष

बहुत कम समय में एक दूसरे के नजदीक आ गये थे दोनों,इस सिंगर ने निजी तस्वीरें की थी लीक!

धनुष अब दो दशकों से अधिक समय से फिल्म उद्योग में हैं। इन सभी वर्षों में, अभिनेता को अपने प्रशंसकों से अपार प्यार और स्नेह मिला है और उन्हें वर्तमान समय में सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक माना जाता है। लेकिन प्रशंसक उस वक्त बेहद दुखी हो गए जब अभिनेता और उनकी पत्नी और मेगास्टार रजनीकांत की सबसे बड़ी बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत ने तलाक की घोषणा की।

मनोरंजन जगत की मशहूर वेबसाइट कोईमोई पर छपि खबर के अनुसार इस फैसले से फिल्म उद्योग में भारी हंगामा मच गया था और इस जोड़े के अलग होने के बारे में कई अफवाहें और अटकलें थीं। जबकि कई लोगों ने दावा किया कि ऐश्वर्या के एक युवा संगीतकार के साथ अवैध संबंध के कारण तलाक हुआ, वहीं कुछ ने कमल हासन की बेटी श्रुति हासन को भी इस विवाद में घसीट लिया, जिससे एक नया विवाद पैदा हो गया।

इस बीच कई लोगों ने कथित तलाक के लिए दक्षिण भारतीय अभिनेत्री तृषा को भी जिम्मेदार ठहराया। धनुष और तृषा ने कोडी नामक केवल एक फिल्म के लिए एक साथ काम किया था, लेकिन एक दशक से अधिक समय से उनके बेहद करीबी रिश्ते होने की अफवाह थी।

मनोरंजन जगत की मशहूर वेबसाइट कोईमोई पर छपि खबर के अनुसार गायिका-अभिनेत्री सुचित्रा, जो उयिरिन उझ्रे, मई मासम 98इल और डोले डोले जैसे अपने हिट गानों के लिए जानी जाती हैं, ने दक्षिण सुपरस्टार धनुष पर हमला करते हुए ट्वीट्स की एक श्रृंखला भी साझा की थी क्योंकि उन्होंने धनुष और तृषा की निजी तस्वीरें लीक की थीं। हालाँकि, उनके पति, अभिनेता कार्तिक कुमार ने बाद में दावा किया था कि उनका ट्विटर अकाउंट हैक हो गया था।

इन सभी ने मिलकर प्रशंसकों और मीडिया के बीच इतनी हलचल मचा दी कि उन्होंने जोड़े के तलाक के लिए तृषा को दोषी ठहराना शुरू कर दिया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि यह धनुष और तृषा का करीबी रिश्ता था जिसके कारण यह घटना हुई।

हालाँकि धनुष ने कभी भी ऐसे किसी भी दावे का जवाब नहीं दिया, तृषा की माँ ने एक बार परेशान सगाई के बारे में खुलकर बात की थी और कहा था कि इस मामले में कुछ लोकप्रिय नाम शामिल थे और उनके नामों का उल्लेख नहीं करना सबसे अच्छा था क्योंकि इससे उन्हें अनावश्यक रूप से दुख होगा।

भाजपा के दिग्गज नेता राजेश मूणत ने पुरी में संभाला मोर्चा

भगवान राम को अयोध्या वापिस लाने वालों को चुनेगी जनता

विधायक राजेश मूणत ने कहा कि,पुरी भगवान जगन्नाथ की भूमि हैं। इस पवित्र भूमि में रहने वाले लोग रामभक्तों के साथ हैं। उन्होंने कहा-पुरी की जनता ने तय कर लिया है, कि जो अयोध्या में भगवान राम को लाये हैं,उन्हें ही देश और राज्य की बागडोर सौंपनी हैं। उन्होंने आगे कहा-मैं पुरी विधानसभा सीट के कोने- कोने तक जा रहा हूं,यह पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं,कि आमजनों के मन में हमारी प्रत्याशी जयंत कुमार सारंगी और संबित पात्रा के प्रति बेहद स्नेह है। लोगो ने तय कर लिया है,कि वह भाजपा के पक्ष में मतदान करके ओड़िशा में डबल इंजन की सरकार बनाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से ओड़िशा में भाजपा की सरकार बनेगी। मूणत ने कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया में ओडिशा की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। ओडिशा की एक आदिवासी बेटी राष्ट्रपति बनी हैं, जिससे ओड़िशा के साथ ही आदिवासियों का सम्मान बढ़ा है, जबकि बीजद के 25 साल के शासन में मुख्यमंत्री पटनायक ने ओड़िशा को 50 साल पीछे धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि जनता ने अब नवीन बाबू को अलविदा कहने का मन बना लिया है। पुरी में भाजपा रिकॉर्डतोड़ मतों से जीतेगी। ओडिशा का अगला मुख्यमंत्री भाजपा नेता और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेगे।

कहा- जनता ने नवीन बाबू को अलविदा कहने का मन बना लिया है

रायपुर,16 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में चुनाव खत्म होते ही भाजपा के दिग्गज नेताओं ने ओडिशा में पूरे दमखम से प्रचार शुरु कर दिया है। इस समय ओडिशा में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी हो रहे हैं। चुनाव में जनता का विश्वास जीतने के लिए भाजपा ने पूर्व मंत्री और विधायक राजेश मूणत को पुरी लोकसभा सीट के लिए प्रचार करने की जिम्मेदारी दी सौंपी है। बता दें,भाजपा ने पुरी लोकसभा सीट से लोकप्रिय नेता संबित पात्रा और पुरी के विधानसभा सीट से विधायक जयंत कुमार सारंगी को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं विधायक राजेश मूणत ने ओडिशा में भाजपा की जीत का दावा करते हुए कहा है कि, ओड़िशा में डबल इंजन की सरकार बनेगी।

पीएम मोदी के रोड शो को लेकर उत्साह

मूणत ने कहा,कि पुरी में भाजपा के विपक्षी दलों ने अभी से हार स्वीकार कर ली है। बीजेडी के खेमे में निराशा का माहौल है, तो वहीं कांग्रेस की लोकसभा प्रत्याशी सुचारिता ने चुनाव लड़ने से किया इनकार करके भाजपा की जीत पहले ही तय कर दी है। राजेश मूणत ने बताया कि ओड़िशा में भारतीय जनता पार्टी का संगठन बेहद मजबूत है। आगामी 20 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा का दौरा करने वाले हैं। पीएम मोदी 20 मई (सोमवार) को पुरी में रोड शो करेंगे,इसको लेकर आमजनों में बेहद उत्साह देखा जा रहा है।

राज्य की जनता खुद चुनेगी अपनी शहर सरकार, नगरीय निकाय चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के संकेत

रायपुर,16 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के बाद नवंबर-दिसंबर 2024 में होने वाले नगरीय निकाय के चुनाव में नियमों में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। अब जनता खुद नगर पंचायत व नगरपालिकाओं के अध्यक्ष और नगर निगमों में महापौर चुन सकेगी। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व विधि मंत्री अरुण साव ने नगरीय निकाय चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के संकेत देते हुए कहा कि वे निकाय चुनाव के लिए भी पूरी तरह से तैयार हैं। अरुण साव ने संकेत देते हुए कहा कि जब नगरीय निकायों के चुनाव होंगे तो मतदाता एक बार फिर से एक के बजाय दो वोट कर पाएंगे। इनमे एक पार्षद तो दूसरा नगर अध्यक्ष का होगा। प्रत्यक्ष रूप से महापौर के चुनाव कराने के नियम बनाने पर विचार किया जा रहा है। बता दें कि भूपेश सरकार के सत्ता के आने से पहले तक निकायों में अध्यक्ष और महापौर का चुनाव स्वतंत्र रूप से होता था और जनता इन शीर्ष पदों के लिए मतदान करती रही है। पिछली बार नगरीय निकायों के चुनाव के पहले पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार ने नगर पंचायत,नगरपालिका और नगर निगम के चुनाव के नियमों में बड़ा बदलाव किया था। इसमें अध्यक्ष और महापौर के चुनाव का अधिकार जनता से छीनकर चुने हुए पार्षदों को दे दिया था।

राइस मिलर रोशन चंद्राकर को ईडी ने किया अरेस्ट

रायपुर,16 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स घोटाले में ईडी ने आज बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने राइस मिलर्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पहले इंकम टैक्स विभाग ने कार्रवाई की थी। अब ईडी की एंट्री से कई और लोगों की मुसीबत बढ़ेगी। आरोप है कि एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर ने एमडी मनोज सोनी के साथ मिलकर प्रति क्विंटल 20 रुपये रिश्वत वसूली है। रकम मार्कफेड के जिला अधिकारी को दी गई है। उनके माध्यम से उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया गया। इस दौरान 140 करोड़ रुपए से ज्यादा वसूल किया गया है। इस दौरान जिन्होंने रिश्वत दी एमडी ने उनके ही बिल का भुगतान किया। रिश्वत के तौर पर पैसे न देने वालों का भुगतान रोक दिया गया है। कई लोगों के बिल का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) के एमडी रहे मनोज सोनी को गिरफ्तार कर रिमांड में लिया गया। अभी मनोज सोनी 28 मई तक जेल में है। मनोज से पूछताछ के बाद ईडी ने राइस मिल एसोसिएशन के पदाधिकारी रोशन चंद्राकर को गिरफ्तार किया है। ईडी को मनोज सोनी और रौशन के मोबाइल में मिले चैट, ट्रांजेक्शन के संबंध में पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार भूपेश बघेल के जात भाई होने का फायदा उठाया. पूरे घोटाले में. रोशन चंद्राकर से पूछताछ में और भी खुलासे होंगे. इस घोटाले में शामिल बड़े बड़े नेता और अफसरों की मुश्किलें बढ़ गई है। रोशन चंद्राकर से जितनी भी कड़ी जुड़ी हुई है इन सभी का पर्दाफाश होगा। ED ने रोशन चंद्राकर को रायपुर कोर्ट में पेश कर रिमांड माँगा है।

छत्तीसगढ़ में इस दिन होगी मानसून की एंट्री,अधिक बारिश की उम्मीद

रायपुर,16 मई 2024 (ए)।बस्तर समेत पूरे प्रदेश का मौसम इन दिनों बदला हुआ है। पिछले दो दिनों से लगातार बस्तर क्षेत्र में बारिश और धूप-छांव की स्थिति के बीच गर्मी का प्रभाव कम हुआ है। इस बीच मौसम वैज्ञानिक ने बताया की देश के मानसून की 31 मई से हो सकती है. केरल में मानसून के दस्तक देते ही अन्य राज्यों में भी इसकी शुरुआत हो जाएगी।

वहीं छत्तीसगढ़ में मानसून को लेकर भी बड़ा अपडेट आया है। इस बार छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री 13 जून को हो जाएगी। इस बार पिछले से अच्छी बारिश होने की भी उम्मीद है। यह मानसून किसानों के लिए काफी बेहतर हो सकता है। 106 फीसदी तक बारिश होने का पूर्वानुमान है। मानसून को लेकर मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि मानसून के जगदलपुर पहुंचने

की सामान्य तिथि 13 जून है। रायपुर में 16 जून है और अंबिकापुर में 21 जून है। इस साल वर्षा 106 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि सामान्य से इस वर्ष अधिक बारिश होने की संभावना है। इस मुख्या कारण एल नीनो है वह इफ़ेक्ट करता है। एल नीनो प्रभाव कम हो गया है यानी न्यूट्रल कंडीशन पर है। जिसके कारण इस साल अच्छे मानसून की संभावना है। अच्छी बारिश से किसानों को फसल उत्पादन में काफी मदद मिलेगी। बता दें कि बुधवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून को लेकर अपडेट दी है। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिमी मानसून की शुरुआत केरल में 31 मई के आसपास होने के आसार हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून आम तौर 1 जून को केरल में प्रवेश करता है। इसके बाद यह आमतौर पर उत्तर की ओर बढ़ता है और 15 जुलाई के आसपास पूरे देश को कवर कर लेता है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया है कि यह जल्दी नहीं है। यह सामान्य तारीख के करीब है क्योंकि केरल में मानसून की शुरुआत की सामान्य तारीख एक जून है।

इस बार सामान्य से अधिक होगी बारिश

आईएमडी ने 2024 में औसत से अधिक मानसूनी बारिश का अनुमान लगाया है। पिछले साल अनियमित मौसम से कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम. रविचंद्रन ने कहा कि मानसून आम तौर पर 1 जून के आसपास केरल में आता है और सितंबर के मध्य में वापस चला जाता है। इस साल औसत बारिश 106 फीसदी होने की उम्मीद है।

डीईओ को शिक्षा संचालनालय का लेटरः भेजी 6 कामों की सूची... कहा-16 जून तक पूरा करके दें रिपोर्ट

रायपुर 16 मई 2024 (ए)। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन आदि भुगतान में होने वाली देर को लोक शिक्षण संचालनालय ने गंभीरता से लिया है। इस संबंध में उप संचालक आशुतोष चावरे ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को एक पत्र जारी किया है। इसमें चावरे ने कहा कि मेरे द्वारा प्रदेश के रायपुर,बिलासपुर, दुर्ग,बेमेतरा,बालोद,जांजगीर, कोरबा, रायगढ़,बलौदाबाजार,महासमुन्द, धमतरी आदि जिलों के निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पता चला कि जिला कार्यालय और उनके अधीनस्थ विकास खंड शिक्षा अधिकारी व प्राचार्य आहरण और संवितरण अधिकारी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों के सेवा अभिलेख, उनके कार्यालय के कार्यालयीन अभिलेख व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के

सेवानिवृत्त हितलाभ के प्रकरण अद्यतन नहीं है। अद्यतीकृत नहीं होने के कारण प्रकरण लंबित हो रही है। प्रकरण लंबित न हो इसलिए अधीनस्थ आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित करें कि शेड्यूल तैयार कर निम्नांकित अभिलेखों का 16 जून 2024 तक अनिवार्यतः अद्यतन करें।

(अ) आहरण एवं संवितरण कार्यालय

1. सेवा अभिलेख सेवापुस्तिका में प्रविष्टियां,सेवा सत्यापन, वार्षिक वेतनवृद्धि का इन्द्राज,अवकाश लेखें में प्रविष्टि इत्यादि।
2. कार्यालयीन अभिलेख कैशबुक पूर्ण किया जाना, बिल रजिस्टर की सम्पूर्ण कॉलमों की प्रविष्टि, लंबित वेतन की भुगतान, देयकों के कार्यालयीन प्रति का रख-रखाव।
3. सेवानिवृत्त हितलाभः सेवानिवृत्त/मृतक कर्मचारियों के स्वत्वों के भुगतान में विलम्ब,अवकाश नगदीकरण के भुगतान में त्रुटिपूर्ण गणना, पेंशन प्रकरण के निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही किया जाना।

(ब) जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय

1. उपरोक्त (अ) के साथ-साथ न मॉग न जांच न घटना प्रमाण-पत्र आभार पोर्टल में ऑन लाईन प्राप्त कर ऑन लाईन शीघ्र जारी किया जाना। जिला स्तर पर पेंशन प्रकरण की समीक्षा कर लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण करना।
2. बजट के नियंत्रण के लिए आवश्यक अभिलेखों का संकलन, अवलोकन तथा प्रस्तुतीकरण जिसमें मुख्यतः मासिक व्यय पत्रक, आंकड़ों का पुनर्मिलान (व्यय एवं प्राप्ति),
3. वित्तीय वर्ष 2024-25 के संसूचना में निर्धारित व्यय की सीमा में देयकों आहरण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही।

अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज,फिर रिमांड बढ़ी

रायपुर,16 मई 2024 (ए)। कांग्रेस शासन काल में हुए हजारों करोड़ के शराब घोटाले को मुख्य आरोपी अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज करते हुए विशेष न्यायाधीश ने रिमांड अवधि बढ़ा दी है। वहीं दुर्ग के शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन की जमानत याचिका पर कल सुनवाई होगी। इस मामले के अन्य आरोपी आईटीएस अफसर एपी त्रिपाठी और उनके सहयोगी रहे अरविंद सिंह की भी रिमांड 30 मई तक बढ़ गई है। इन सभी को एसीबी ईओडब्लू ने कोर्ट में पेश किया था।

ईडी ने बताया कि 2017 में शराब की खरीद और बिक्री के लिए CSMCL बनाई गई थी, लेकिन सरकार बदलने के साथ ही ये सिंडिकेट के हाथ का एक टूल बन गई। आरोप है कि सीएसएमसीएल से जुड़े कामों के लिए सारे कॉन्ट्रैक्ट इस सिंडिकेट से जुड़े लोगों को ही दिए जा रहे थे। ED का दावा है कि सिंडिकेट ने अवैध शराब की बिक्री से बड़ा कमीशन कमाया, ये रकम अनवर ढेबर को दी गई और फिर उसने इसे राजनीतिक पार्टी तक साझा किया।

छग में 3 कुख्यात नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर,16 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में इस वर्ष मार्च माह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता की हत्या में कथित रूप से शामिल तीन नक्सलियों को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के तोयनार थाना क्षेत्र में एक मार्च को जनपद सदस्य तिरूपती कटला की हत्या में शामिल तीन नक्सलियोंङ्कमुन्ना मु मा (32), राजू मु मा (31) और लखमू मु मा (39) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों को जिला रिजर्व गार्ड और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के संयुक्त दल ने तोयनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिंतनपल्ली गांव से गिरफ्तार किया है। भाजपा नेता कटला पर नक्सलियों ने उस समय धारदार हथियार से हमला किया जब वह तोयनार में एक शादी में शामिल होने गए थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए नक्सली 2022 में मोरमे गांव के सरपंच की हत्या में भी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि मिलिशिया कमांडर मुन्ना मु मा के खिलाफ तोयनार थाना में तीन वारंट लंबित हैं।

करोड़ों का शराब घोटालाःजेल में बंद आरोपियों से ED करेगी पूछताछ

रायपुर,16 मई 2024 (ए)। शराब घोटाला मामले में जेल में बंद अनवर ढेबर,अरुणपति त्रिपाठी,त्रिलोक सिंह ढिल्लन से ईडी जेल में पूछताछ करेगी। इसके लिए ईडी ने कोर्ट में आवेदन लगाया था। कोर्ट ने आवेदन स्वीकार करते हुए 27 से 31 मई 5 दिन तक जेल में पूछताछ की अनुमति दी है। कांग्रेस शासन काल में हुए हजारों करोड़ के शराब घोटाले को मुख्य आरोपी अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज करते हुए विशेष न्यायाधीश ने रिमांड अवधि बढ़ा दी है। वहीं दुर्ग के शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन की जमानत याचिका पर कल सुनवाई होगी। इस मामले के अन्य आरोपी आईटीएस अफसर एपी त्रिपाठी और उनके सहयोगी रहे अरविंद सिंह की भी रिमांड 30 मई तक बढ़ गई है। इन सभी को एसीबी ईओडब्लू ने कोर्ट में पेश किया था। इडी ने बताया कि 2017 में शराब की खरीद और बिक्री के लिए CSMCL बनाई गई थी, लेकिन सरकार बदलने के साथ ही ये सिंडिकेट के हाथ का एक टूल बन गई. आरोप है कि छ्स्स्छ्रु से जुड़े कामों के लिए सारे कॉन्ट्रैक्ट इस सिंडिकेट से जुड़े लोगों को ही दिए जा रहे थे. श्चष्ठ का दावा है कि सिंडिकेट ने अवैध शराब की बिक्री से बड़ा कमीशन कमाया, ये रकम अनवर ढेबर को दी गई और फिर उसने इसे राजनीतिक पार्टी तक साझा किया।

हाईस्कूल का 54.39 प्रतिशत और हायर सेकेंडरी का 66.3 प्रतिशत रहा रिजल्ट

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित

रायपुर,16 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के परीक्षा परिणाम आज जारी किए गए. ओपन हाई स्कूल परीक्षा 2024 का परिणाम 54.39 प्रतिशत रहा। वहीं हायर सेकेंडरी का रिजल्ट 66.3 प्रतिशत रहा। राज्य ओपन स्कूल के सचिव पुष्पा साहू ने बताया,हाईस्कूल परीक्षा 2024 में बालिकाओं का 56.16 प्रतिशत और बालकों का परिणाम 53.13 प्रतिशत रहा।

बता दें कि हाईस्कूल की परीक्षा में 41,019 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे। 38,405 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। 38,396 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। घोषित परीक्षा परिणाम में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 20,884 है। प्रथम श्रेणी में 14.45 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए। द्वितीय श्रेणी में 21.97 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। सचिव साहू ने बताया,नौ विद्यार्थियों का रिज़ल्ट विभिन्न कारणों से रोका गया है। पिछले वर्ष की तुलना में 0.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हाई स्कूल परीक्षा पास करने के लिए अभ्यार्थियों को 9 मौक़ा दिया जाता है। जिस सब्जेक्ट में पास हुए हैं उस सब्जेक्ट क़ाफ़िले पर दोबारा नहीं देना पड़ता है। जिस सब्जेक्ट में फ़ेल हुए हैं उसी सब्जेक्ट का दोबारा पेपर लिया जाता है। हायर सेकेंडरी में बालिकाओं का प्रतिशत 67.37 और बालकों का रिजल्ट 64.88 प्रतिशत रहा। 55490 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। 52,982 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। घोषित परीक्षा परिणाम में 32,563 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। प्रथम श्रेणी से 17. 49 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए। द्वितीय श्रेणी में 26.13 प्रतिशत विद्यार्थी और तृतीय श्रेणी में 21.2 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए। 13 परीक्षार्थियों का परिणाम विभिन्न कारणों से रोका गया है। 7 परीक्षार्थियों के परिणाम नक़ल प्रकरण के कारण और 6 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जाँच की श्रेणी में रोका गया है। राज्य ओपन स्कूल की वेबसाइट परीक्षा परिणाम देख सकते हैं।

जिम में ट्रेड मिल में रनिंग के दौरान किशोर की हुई मौत

रायपुर,16 मई 2024 (ए)। छोटी उम्र में बड़ी कसरत भारी पड़ सकती है। इस बात का अंदाजा 17 वर्षीय सत्यम रंगडाले को नहीं था। जिम में ट्रेड मिल में रनिग के दौरान किशोर की मौत हो गई, जिसका वीडियो सामने आया है। घटना रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र अंतर्गत भनपुरी स्थित स्पेस जिम की है, जहां वर्कआउट करते 17 वर्षीय किशोर सत्यम रंगडाले गिर पड़ा। युवक को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पत्रकार की संदिग्ध मौत,खून से सना मिला शव

मनेन्द्रगढ़,16 मई 2024 (ए)। चनवारीडांड स्थित वन काष्ठागार के पीछे पत्रकार का शव रक्तरंजित हालत में मिला। पुलिस द्वारा मृतक की पत्नी से गहन पूछताछ की जा रही है, क्योंकि बताया जाता है कि मृतक के घर में भी खून के निशान मिले हैं। मनेंद्रगढ़ थानांतर्गत मौहारपारा निवासी 32 वर्षीय रईस अहमद कुछ दिनों से अपनी पत्नी के साथ शहर से लगे ग्राम चनवारीडांड में एक किराए के मकान में रह रहे थे। गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे घर से 200 मीटर की दूरी पर

चनवारीडांड स्थित वन काष्ठागार के पीछे कुछ लोगों ने खून से लथपथ एक युवक का शव देखा। चेहरा कपड़े से ढंका हुआ था।

सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह स्वयं पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पहुंचे। शव की शिनाख्त रईस अहमद के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस मृतक के घर पहुंची। घर पर मृतक की पत्नी सफीना अपनी 3 वर्षीय बच्ची के साथ थी। पुलिस अधीक्षक ने मृतक की पत्नी से जरूरी पूछताछ की। शुरूआती पूछताछ में उसने बताया कि देर रात 2 युवक घर पर आए थे। वहीं मृतक की मासूम बेटी ने भी पुलिस को अहम जानकारी देते हुए बताया कि उसके पिता रात में बचाओ-बचाओ की आवाज लगा रहे थे। घर की दीवार एवं दरवाजे पर खून के छींटे भी पाए गए हैं। वहीं घर से करीब 20 मीटर की दूरी पर सीसी सडक़ के किनारे खून से सना एक गमछा भी पुलिस ने बरामद किया है। संदेह के आधार पर पुलिस द्वारा मृतक की पत्नी को सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़ लाकर पूछताछ की जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)